RNI NO.RAJHIN/2016/70602

डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-25 Valid up to 31 dec. 2025

भीम प्रज्ञा अलर्ट

"खुश रहने का सबसे आसान तरीका है - तुलना छोड़कर कृतज्ञता अपनाना। जब हम जो कुछ है उसी में संतोष पाते हैं, तब जीवन अपने आप सुंदर हो उठता है।"

भीम प्रज्ञा

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication

A/C No: 61347330768

IFSC Code- SBIN0031880

Phone pe , G-pay

9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-09 | अंक-209 | झुंझुनू (राजस्थान) | शुक्रवार, 19 सितम्बर, 2025 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

जयपुर में चतुर्थ-श्रेणी भर्ती परीक्षा 19 से 21 सितंबर तक

204 केंद्रों पर 4.5 लाख अभ्यर्थी देंगे परीक्षा, 6 पारियों में होगा आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा चतुर्थ श्रेणी सीधी भर्ती परीक्षा-2024 जयपुर जिले में 19 सितंबर, 2025 से 21 सितंबर, 2025 तक आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा में लगभग 4.5 लाख अभ्यर्थी शामिल होंगे, जिसके लिए कुल 204 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा प्रतिदिन दो पारियों में होगी। प्रथम पारी सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और द्वितीय पारी दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगी। कुल छह पारियों में यह परीक्षा संपन्न होगी, जिसमें प्रत्येक पारी में लगभग 75,000 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं।

कलेक्ट्रेट के कमरा नंबर 116 में जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष स्थापित

परीक्षा के सुचारु एवं सफल संचालन के लिए कलेक्ट्रेट के कमरा नंबर 116 में जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। यह नियंत्रण कक्ष 21 सितंबर, 2025 तक सुबह 7:30 बजे से परीक्षा संबंधी सभी कार्य पूरे होने तक संचालित रहेगा।

नियंत्रण कक्ष का दूरभाष नंबर 0141-2206699

जयपुर स्थित परीक्षा केंद्रों से संबंधित जानकारी और शिकायतों के लिए नियंत्रण कक्ष का दूरभाष नंबर 0141-2206699 रहेगा। यह कक्ष जयपुर में स्थापित परीक्षा केंद्रों से संबंधित जानकारियां प्रदान करेगा और शिकायतों का निस्तारण करेगा। जिला कलक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी के नेतृत्व में जिला प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप दिया है। परीक्षा के सफल आयोजन के लिए पुलिस, नगर निगम, यातायात पुलिस, शिक्षा विभाग, चिकित्सा विभाग, नागरिक सुरक्षा विभाग, विद्युत विभाग, रोडवेज और जेसीटीसीएल सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

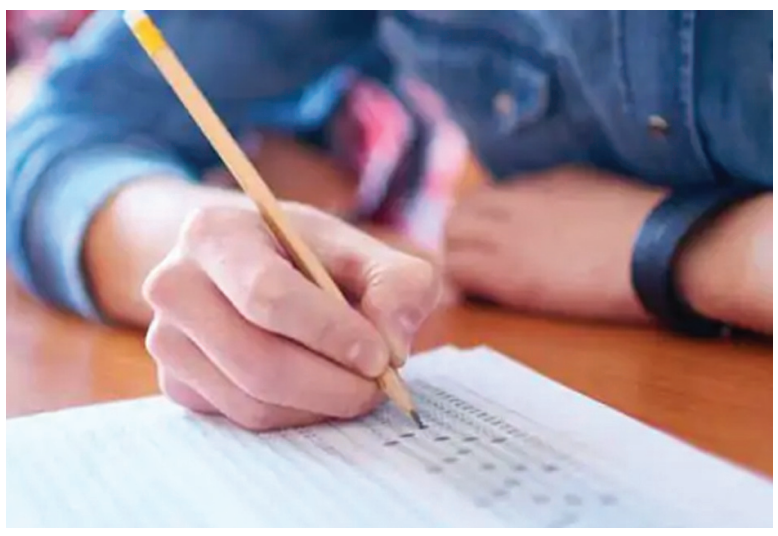

प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर सीसीटीवी

राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती के अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2022 एवं संशोधन अधिनियम, 2023 के अंतर्गत 10 लाख से 10 करोड़ तक जुर्माना एवं 10 वर्ष से आजीवन कारावास की सजा के प्रावधान हैं। ये प्रावधान न केवल अभ्यर्थियों पर, बल्कि परीक्षा आयोजन से जुड़े सभी स्टाफ एवं कर्मचारियों पर भी लागू होते हैं। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर 02-02 वीडियोग्राफर नियुक्त होंगे और प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर सीसीटीवी (प्रत्येक परीक्षा कक्ष, केंद्राधीक्षक के कक्ष में एवं मुख्य द्वार पर) कैमरे भी लगाए जाएंगे।

प्रवेश प्रत्येक पारी की परीक्षा प्रारंभ होने के निर्धारित समय से 01 घंटा पूर्व बंद कर दिया जाएगा

परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थियों का प्रवेश प्रत्येक पारी की परीक्षा प्रारंभ होने के निर्धारित समय से 01 घंटा पूर्व बंद कर दिया जाएगा। बोर्ड द्वारा परीक्षार्थियों को मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र एवं प्रवेश पत्र लेकर उपस्थित होने के लिए निर्देशित किया गया है। जिला प्रशासन द्वारा परीक्षार्थियों से समय का विशेष ध्यान रखने की अपील की गई है। परीक्षार्थियों को आवंटित परीक्षा केंद्र पर प्रथम पारी के लिए सुबह 8 बजे से पहले एवं द्वितीय पारी के लिए दोपहर 1 बजे से पहले पहुंच जाएं। सुबह 9 बजे और द्वितीय पारी के लिए दोपहर 2 बजे के पश्चात किसी भी हालत में परीक्षा केंद्र पर प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

केंद्रों पर निरीक्षण एवं जांच हेतु 39 उड़नदस्ता दलों का गठन

परीक्षा दिवस पर केंद्रों पर निरीक्षण एवं जांच हेतु 39 उड़नदस्ता दलों का गठन किया गया है। प्रत्येक पारी के लिए 103 उप-समन्वयक भी नियुक्त किए गए हैं। डमी उम्मीदवारों के शामिल होने या नकल संबंधी कोई भी सूचना मिलने पर तत्काल जिला प्रशासन को सूचित करने के निर्देश दिए गए हैं।

हाईकोर्ट ने डमी स्कूल-कोचिंग गठबंधन को शिक्षा-प्रणाली पर बताया कलंक

CBSE-माध्यमिक शिक्षा बोर्ड को SIT गठित कर औचक निरीक्षण के लिए कहा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.जयपुर।

हाईकोर्ट ने डमी स्कूल और कोचिंग संस्थान के गठबंधन को वर्तमान शिक्षा प्रणाली पर कलंक बताया है। जस्टिस अनूप ढंढ की अदालत ने यह टिप्पणी कोटा की दो निजी स्कूलों और उनके छात्रों की ओर से दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए की। अदालत ने सीबीएसई, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड और राज्य सरकार को निर्देश दिए हैं कि वह एसआईटी गठित कर स्कूल और कोचिंग संस्थान का औचक निरीक्षण करें। अगर स्कूल में स्टूडेंट्स गैर हाजिर मिलें और उसी समय कोचिंग संस्थान में पढ़ रहे हों तो दोनों संस्थानों पर कार्रवाई करें। कोर्ट ने कहा- आज प्रदेश में अनेक ऐसे स्कूल हैं, जो 9वीं से 12वीं के स्टूडेंट्स को डमी प्रवेश देते हैं। इन स्कूलों में विद्यार्थियों को नियमित आने की जरूरत नहीं होती है और विद्यार्थी स्कूल समय में कोचिंग सेंटर में नीट, जेईई की पढ़ाई करते हैं।कोर्ट ने कहा कि इस पूरी प्रक्रिया में अभिभावकों की मर्जी भी शामिल होती है। ऐसे में आज के समय शिक्षा इन स्कूलों और कोचिंग संस्थानों के लिए केवल बिजनेस बनकर रह गई है। डमी स्कूल और कोचिंग संस्थानों का यह गठबंधन शिक्षा प्रणाली के लिए कलंक के समान है। कोर्ट ने कहा- यह सही समय है, जब शिक्षा बोर्ड इस मुद्दे पर गौर करे और सख्त नियम बनाए, जिसमें कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों के लिए नियमित उपस्थिति जरूरी हो।

दरअसल, सीबीएसई को कोटा की एलबीएस कॉन्वेंट स्कूल और दी लॉर्ड बुद्धा पब्लिक स्कूल में निरीक्षण के दौरान कई तरह की कमियां मिली थी। सीबीएसई का कहना था कि स्कूलों में डमी छात्रों को प्रवेश दिया गया था। रिकॉर्ड में हेराफेरी सहित तय अनुपात में शिक्षक भी नहीं थे। इसके बाद सीबीएसई ने इन दोनों स्कूलों की सीनियर सेकेंडरी की मान्यता एक साल के लिए रद्द कर दी थी। स्कूलों की ओर से बहस करते हुए सीनियर एडवोकेट आरबी माथुर ने कहा कि सीबीएसई ने इन दोनों स्कूलों के समान ही कमियां पाए जाने पर एक अन्य स्कूल पर केवल जुर्माना लगाने की कार्रवाई की, जबकि हमारी मान्यता रद्द कर दी। इस पर कोर्ट ने सीबीएसई को निर्देश दिए कि वह इन दोनों स्कूलों पर भी अन्य स्कूल के समान ही नियमों के तहत कार्रवाई करे। वहीं इस सत्र में स्टूडेंट्स को दूसरी जगह ट्रांसफर नहीं करे।

आदिवासियों के इतिहास को मिटा रही बीजेपी सरकार : गहलोत

सिलेबस से मानगढ़ का इतिहास और कालीबाई का पाठ क्यों हटाया?, आदिवासियों से माफी मांगे सरकार

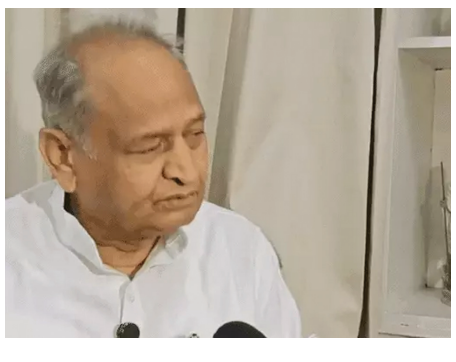

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने स्कूली किताबों से आदिवासियों का इतिहास मिटाने को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए माफी मांगने की मांग की है। गहलोत ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए मानगढ़ धाम का इतिहास हटाने और कालीबाई का पाठ हटाने को लेकर सरकार पर सवाल उठाए हैं। गहलोत ने एक्स पर लिखा- जब से भाजपा सरकार में आई है, तब से आदिवासियों के योगदान को हर जगह कमतर दिखाने का प्रयास कर रही है। आदिवासी अस्मिता को लेकर भाजपा की तुच्छ मानसिकता का यह परिचायक है कि चौथी कक्षा की किताब से मानगढ़ धाम के इतिहास को हटाने का काम किया है।

कालीबाई का पाठ हटा दिया

गहलोत ने आगे लिखा- इससे पहले, शिक्षा की अलख जगाने वाली वीर कालीबाई का पाठ हटा दिया गया था। भाजपा ने ठान लिया है कि वो आदिवासियों का बलिदान, उनकी गाथाएं लोगों की स्मृतियों से हटा कर ही मानेगी लेकिन आदिवासी समाज का बलिदान इतना कमजोर नहीं है कि उसे किताबों से हटाकर भुलाया जा सकें।

स्कूली सिलेबस को लेकर पहले भी हुई है राजनीति, कांग्रेस लगाती रही है भगवाकरण का आरोप

प्रदेश में स्कूली सिलेबस में बदलाव को लेकर नए सिरे से विवाद शुरू हो गया है। इससे पहले भी स्कूली किताबों में मुगलकाल को जगह देने को लेकर विवाद हुए हैं। सरकार बदलने पर हर बार सिलेबस में बदलाव को लेकर विवाद हुए हैं। कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर स्कूली शिक्षा का भगवाकरण करने के आरोप लगाए हैं। पहले जवाहरलाल नेहरू और भारत के प्रधानमंत्रियों से जुड़े चैप्टर पर भी विवाद हुआ था। इस बार आदिवासी इतिहास से जुड़े चैप्टर में बदलाव को विपक्षी दल मुद्दा बनाएंगे।

बीकानेर में 'वोट चोर गद्दी छोड़' समागम, कांग्रेस नेताओं ने भाजपा पर साधा निशाना

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब के नेतृत्व में बीकानेर में "वोट चोर गद्दी छोड़" नामक एक विशाल समागम और ऐतिहासिक पैदल मार्च का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भाजपा और चुनाव आयोग की कथित वोट चोरी के खिलाफ आवाज उठाना और लोकतंत्र की रक्षा का संकल्प लेना था। यह अभियान कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा शुरू किए गए जनता के हक और अधिकारों की लड़ाई को गति देने के लिए आयोजित किया गया था। इस सफल कार्यक्रम के लिए बीकानेर युवा कांग्रेस ने सभी का आभार व्यक्त किया। रवींद्र रंगमंच में आयोजित इस कार्यक्रम में युवा कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी शामिल हुए, जिनमें राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब, राजस्थान यूथ कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष विधायक अभिमन्यु पूनिया और कार्यवाहक अध्यक्ष यशवीर शुरा प्रमुख थे। स्थानीय नेताओं में पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला, पूर्व मंत्री गोविंद राम मेघवाल, पूर्व मंत्री भंवर सिंह भाटी, पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री मदन गोपाल मेघवाल, महेंद्र गहलोत, यशपाल गहलोत और बिशनाराम सियाग भी मौजूद थे। इसके अतिरिक्त, यूथ कांग्रेस बीकानेर देहात के अध्यक्ष भंवर कुकणा, शहर अध्यक्ष प्रदीप शर्मा, और जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारी जैसे आकाश लोहिया, भीखाराम मेघवाल और संजय गोयल भी उपस्थित रहे। नेताओं ने कार्यकर्ताओं को किया संबोधित मंच का संचालन तोलाराम सियाग ने किया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों का 51 किलो की माला, स्मृति चिन्ह और साफा पहनाकर सम्मान किया गया। पूर्व मंत्री गोविंद राम मेघवाल ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा सरकार में 78 लोकसभा सीटें फर्जीवाड़े से जीती गई थीं, जिसमें बीकानेर का क्षेत्र भी शामिल था। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि इस मिशन को गांव-गांव और ढाणी तक ले जाया जाएगा ताकि ऐसी सरकार को उखाड़ फेंका जा सके। उन्होंने दावा किया कि 2028 में राजस्थान में कांग्रेस की सरकार बनेगी। वहीं, पूर्व मंत्री भंवर सिंह भाटी ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने भी युवा कांग्रेस में काम किया है। उन्होंने कहा कि वह पहले यूथ देहात कांग्रेस के अध्यक्ष बने, फिर प्रदेश यूथ कार्यकारिणी के सदस्य, और उसके बाद विधायक व मंत्री बने। उनके अनुभव ने कार्यकर्ताओं में नया जोश भर दिया। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और लोकतंत्र की रक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

जयपुर पुलिस कमिश्नर ने की जनसुनवाई

खोह-नागोरियान थाने में सुनी लोगों की समस्याएं, प्रॉब्लम्स सॉल्व कर राहत पहुंचाई

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । जयपुर पुलिस कमिश्नर की ओर से खोह-नागोरियान थाने में गुरुवार को जनसुनवाई हुई। पुलिस कमिश्नर ने आमजन की समस्याओं को सुनकर तुरंत सॉल्व कर राहत पहुंचाई। जनसुनवाई में सैकड़ों की संख्या में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। समस्याओं के तुरंत समाधान पर आमजन के चेहरों पर खुशी नजर आई।

कमिश्नर ने आमजन को दी राहत

जयपुर पुलिस कमिश्नर की ओर से खोह नागोरियान थाने में दोपहर 3:30 बजे जनसुनवाई शुरू की गई। इसमें पुलिस थाना बस्सी, कानोता, तूंगा, एयरपोर्ट, मालवीय नगर, जवाहर सर्किल, बजाज नगर, खोह-नागोरियान, आदर्श नगर, ट्रांसपोर्ट नगर, जवाहर नगर और जामडोली क्षेत्र के परिवादियों की जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई का उद्देश्य संबंधित क्षेत्र के परिवादियों की समस्याओं का तुरंत सॉल्व करते हुए आमजन को राहत पहुंचाना रहा। पुलिस कमिश्नर ने बताया- जनसुनवाई के दौरान क्षेत्र में आपसी मुकदमें, पारिवारिक विवाद, जमीनी विवाद, मकानों पर कब्जे, अवैध कब्जे, चोरी, मारपीट सहित अन्य शिकायतें मिली। सभी शिकायतों की जांच कर कम से कम समय में निश्चित समयावधि में निस्तारित करने के निर्देश दिए है। संबंधित अधिकारियों को परिवादियों की समस्याओं का तुरंत रिस्पॉन्स देने और निस्तारण करने के भी निर्देश दिए गए है। जनसुनवाई के दौरान एडिश्नल कमिश्नर (फर्स्ट) मनीष अग्रवाल, डीसीपी (ईस्ट) संजीव नैन, एडिश्नल डीसीपी (ईस्ट), एसीपी (बस्सी), मालवीय नगर और आदर्श नगर सर्किल से संबंधित थानाधिकारी और थाने के अधिकारी मौजूद रहे।

झुंझुनूं के जांबाज एएसआई शेर सिंह फोगाट को नम आंखों से दी विदाई, राजकीय सम्मान के साथ हुआ अंतिम संस्कार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सिंघाना/झुंझुनूं।

जिले ने अपने एक जांबाज और साहसी पुलिस अधिकारी को हमेशा-हमेशा के लिए खो दिया। एएसआई शेर सिंह फोगाट का बुधवार की रात सड़क हादसे में निधन हो गया। इस हृदयविदारक खबर से न केवल पुलिस विभाग बल्कि पूरे जिले में शोक की लहर दौड़ गई। गुरुवार को उनके पैतृक गांव सलीम का बास में राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। झुंझुनूं पुलिस लाइन से पहुंचे पुलिस जवानों ने शहीद अधिकार को अंतिम सलामी दी। गार्ड ऑफ ऑनर के बीच जब उनका पार्थिव शरीर गांव पहुंचा, तो माहौल गमगीन हो गया। पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय ने परिवार से मुलाकात कर संवेदनाएं प्रकट की और कहा कि "शेर सिंह जैसे साहसी और निडर अधिकारी की कमी हमेशा खलती रहेगी। वे पूरे पुलिस विभाग के लिए प्रेरणा स्रोत रहेंगे।" गांव में शोक की लहर छा गई और हर कोई यही कहता दिखा–"शेर सिंह फोगाट जैसे जांबाज अधिकारी को खोना जिले के लिए अपूरणीय क्षति है।"

2021 में एक चार साल की बच्ची से दुष्कर्म मामले का कुछ ही घंटों में खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार करने पर उन्हें गैलेन्ट्री प्रमोशन देकर एएसआई बनाया गया। उनकी इस कार्यकुशलता और साहसिकता की पुलिस विभाग और समाज में हमेशा चर्चा होती रही।

प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी

अंतिम संस्कार में झुंझुनूं पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय के अलावा पचेरी थानाधिकारी राजपाल यादव, सिंघाना थानाधिकारी रामसिंह, बुहाना डिप्टी नोपाराम भाकर, मेहाड़ा थानाधिकारी भजनाराम, पूर्व विधायक सुभाष पूनिया, जनप्रतिनिधि राजेश गोदारा, दिनेश सहारण, सूरजगढ़ प्रधान बलवान सिंह सहित बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी और ग्रामीण मौजूद रहे।

लाल चौक से निकली तिरंगा यात्रा

अंतिम यात्रा के दौरान लाल चौक से एक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। युवाओं की भीड़ हाथों में तिरंगा लेकर और देशभक्ति गीतों की धुन पर शहीद अधिकारी को विदाई देने उमड़ पड़ी। रास्ते में जगह-जगह लोगों ने फूल बरसाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। डीजे पर गूंजते राष्ट्रभक्ति गीतों के बीच माहौल गमगीन हो गया। शव यात्रा गांव की गलियों से होते हुए पैतृक स्थान तक पहुंची, जहां नम आंखों और भारी मन से अंतिम विदाई दी गई।

बेटे ने दी मुखाग्नि

अंतिम संस्कार में हजारों लोग शामिल हुए। शेर सिंह फोगाट के बड़े बेटे नीरज ने उन्हें मुखाग्नि दी। नीरज वर्तमान में आईआईटी दिल्ली में अध्ययनरत हैं, जबकि छोटा बेटा निशांत दिल्ली विश्वविद्यालय से बीटेक कर रहा है। पत्नी मीरा देवी गृहिणी हैं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। शेर सिंह रिटायर्ड फौजी रतन सिंह के इकलौते पुत्र थे।

सेवा का गौरवशाली सफर

एएसआई शेर सिंह फोगाट ने 1998 में सिपाही के पद पर पुलिस सेवा में कदम रखा। लगन, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के बल पर वे लगातार ऊंचाइयां छूते गए। वर्ष 2013 में उन्हें हेड कांस्टेबल पद पर पदोन्नति मिली। मार्च

नेपाल का जेन-जी आंदोलन और दक्षिण एशिया का जनविद्रोह मॉडल

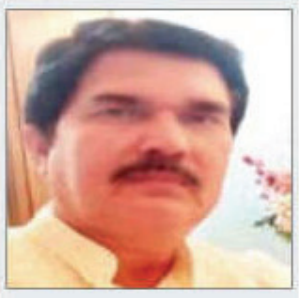

डॉ हिदायत अहमद खान

इन तीनों देशों के तख्तापलट आंदोलन पर विश्लेषणात्मक दृष्टि डालते हैं तो मालूम चलता है कि इनके जरिए राष्ट्रीय ही नहीं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर युवा शक्ति का उदय हुआ। इन तीनों ही आंदोलनों में युवाओं, खासकर छात्रों और जेन-जी पीढ़ी नेतृत्व करती नजर आई। इन आंदोलनों में सोशल मीडिया ने अहम भूमिका निभाई। आधुनिक सूचना तंत्र के तौर पर सोशल मीडिया भीड़ जुटाने में सबसे बड़ा हथियार साबित हुआ है।

नेपाल में भले ही ओली की अप्रत्याशित विदाई के साथ ही पूर्व जस्टिस सुशीला कार्की के नेतृत्व में अंतरिम सरकार ने सत्ता संभाल ली है, लेकिन यहां हालात सामान्य होने में अभी कुछ वक्त और लगेगा। वजह साफ है कि जिस जेन-जी की वजह से तख्तापलट हुआ उसे खुश कर पाना फिलहाल किसी के वश की बात नहीं है। ऐसा कहना इसलिए सही लगता है क्योंकि इससे पहले बांग्लादेश में युवाओं ने जिस तरह से शेख हसीना की सत्ता को उखाड़ फेंका था और उसके बाद प्रमुख सलाहकार यूनुस वाली अंतरिम सरकार ने सब कुछ अपने हिसाब से करने की कोशिश की, लेकिन उससे आंदोलनकारी छात्र खुश नहीं हो सके। अब गाहे-बगाहे बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के खिलाफ भी आवाजें उठती सुनाई और दिखाई दे जाती हैं। वैसे भी यह वह समय है जिसमें दक्षिण एशिया ही नहीं बल्कि दुनियां के अधिकांश देश राजनीतिक उथल-पुथल के दौर से गुजर रहे हैं। दुनियां की तमाम शक्तियां जंग के झमेले में उलझी नजर आ रही हैं।

यहां भारत के पड़ोसी देशों की ही बात कर लें तो श्रीलंका, बांग्लादेश और अब नेपाल में जनता के खासतौर पर युवाओं के असंतोष ने सरकारों को परिणाममूलक घेराव किया है। तीनों देशों में आंदोलन की शैली, युवाओं पर आधारित जनसहभागिता और सत्तात्मक प्रतिक्रिया को देखते हुए इसे एक जनविद्रोह मॉडल की संज्ञा दी जाने लगी है। इस मॉडल में सोशल मीडिया की भूमिका, युवा शक्ति की भागीदारी और आर्थिक-सामाजिक असंतोष की गहरी जड़ें साफ झलकती हैं। यहां विचार करने वाली बात यह भी है कि यह विद्रोह दो-चार दिन में पैदा नहीं हुआ, बल्कि लगातार सुनवाई नहीं होने और संकट के विकराल रुप लेने से उपजा था। युवाओं को उचित शिक्षा के साथ ही समय पर रोजगार न मिलना और सरकार द्वारा उनका लगातार तिरस्कार करना भी एक प्रमुख कारण रहा है। तिरस्कार इस बावत कि नेता और अधिकारियों के अधिकांश बच्चे तो विदेशों में पढ़ते और अपना बेहतर भविष्य बनाते नजर आए, लेकिन देश में रहने वाले युवाओं की ओर किसी का ध्यान ही नहीं गया। इससे कुंठित युवा वर्ग एकजुट होता चला गया और धीरे-धीरे उनका विरोध जनविद्रोह मॉडल तक पहुंच गया।

यहां सर्वप्रथम श्रीलंका के जनआंदोलन की बात कर लेते हैं, जो कि आर्थिक तबाही से सत्ता पलट तक चला। दरअसल श्रीलंका में हुआ साल 2022 का जनआंदोलन

एक ऐतिहासिक मोड़ साबित हुआ था। तब राजपक्षे सरकार की आर्थिक नीतियां फेल होती हुई दिखीं थीं, जिस कारण देश में कर्ज.संकट सामने आया। इसके चलते विदेशी मुद्रा भंडार का खात्मा होता हुआ दिखाई दिया और लोगों पर सीमा से परे भार पड़ता दिखाई दिया। परेशान लोग सरकार के खिलाफ सड़कों पर आ गए। कहते हैं जब जनता किसी सत्ता के खिलाफ सड़क पर आ जाती है तो उसका सामना करने की ताकत किसी मानवीय शक्ति में तो नहीं ही होती है। यही वजह थी कि श्रीलंका के हालात इस कदर बिगड़े कि प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति भवन तक पर कब्जा जमा लिया। इस आंदोलन के बाद राष्ट्रपति राजपक्षे को देश छोड़कर विदेश भागना पड़ गया था। राष्ट्रपति के पलायन के साथ ही सत्ता परिवर्तन का दृष्य सामने आया। इस आंदोलन की खासियत की बात करें तो यह स्वस्फूर्त, नेतृत्वविहीन और सोशल मीडिया पर आधारित था, जो कि जंगल में लगी आग की तरह तेजी से फैला।

श्रीलंका के जनआंदोलन से थोड़ा हटकर बांग्लादेश का छात्र आंदोलन रहा है। दरअसल यह आंदोलन आरक्षण व्यवस्था से शुरू हुआ और देखते ही देखते सरकार के खिलाफ हिंसक बगावत में तब्दील हो गया। यहां बताते चलें कि साल 2024 में बांग्लादेश में शुरू हुआ छात्र आंदोलन सरकारी नौकरियों में आरक्षण (कोटा) के विरोध में खड़ा किया गया था। शेख हसीना सरकार को शुरू में लगा था कि छात्रों को समझा-बुझाकर या दबाव बनाकर रास्ते में ले आएंगे, लेकिन पुलिस ने जब कठोर कार्रवाई शुरू की तो यही आंदोलन जनविद्रोह का रूप धारण कर लिया। देखते ही देखते लाखों युवा सड़कों पर उतर आए और शेख हसीना सरकार को जड़ से उखाड़ दिया। प्रारंभ में यह आंदोलन विश्वविद्यालय परिसरों से शुरू हुआ जो पूरे देश में फैल गया। शांतिपूर्ण आंदोलन कब हिंसक रुप अख्तियार कर लिया समझ से परे रहा और इसमें सैकड़ों मौतें हुईं और इस कारण सरकार गिरती दिखी। तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत में शरण लेना पड़ी। जेल में कैद राजनीतिज्ञों की रिहाई के साथ ही अंतरिम सरकर बनी जिसके प्रमुख सलाहकार यूनुस को बना दिया गया।

कुछ ऐसी ही तस्वीर हाल ही में नेपाल में भी बनती देखी गई, जबकि प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सरकार के खिलाफ जेन-जी (26 वर्ष से कम उम्र के युवा) सोशल मीडिया प्रतिबंध और भ्रष्टाचार के विरोध में सड़कों पर उतर आए। इन आंदोलनकारी युवाओं ने संसद को घेरने और सरकारी भवनों पर कब्जे करने से लेकर हागजनी की घटनाओं को भी खूब अंजाम दिया। आंदोलनकारी युवाओं और पुलिस के बीच हुई झड़पों में हुई मौतों ने आग में घी डालने का काम किया। गुस्साए आंदोलनकारियों ने न सिर्फ नेताओं के बंगलों और सरकारी संस्थाओं में आगजनी कि बल्कि सुप्रीम कोर्ट तक को आग के हवाले कर दिया। इस उग्र आंदोलन को देख कर किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि सोशल मीडिया प्रतिबंध, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी का मामला इतना खतरनाक मोड़ पर आ जाएगा कि तख्तापलट करके रख देगा। सोशल मीडिया प्रतिबंध के बावजूद युवा लामबंद हुए और संसद और राजधानी काठमांडू को घेरने में कोई कोताही नहीं की। परिणाम स्वरुप ओली पर इस्तीफे का दबाव बना और देश में राजनीतिक अस्थिरता सामने आ गई।

इन तीनों देशों के तख्तापलट आंदोलन पर विश्लेषणात्मक दृष्टि डालते हैं तो मालूम चलता है कि इनके जरिए राष्ट्रीय ही नहीं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर युवा शक्ति का उदय हुआ। इन तीनों ही आंदोलनों में युवाओं, खासकर छात्रों और जेन-जी पीढ़ी नेतृत्व करती नजर आई। इन आंदोलनों में सोशल मीडिया ने अहम भूमिका निभाई। आधुनिक सूचना तंत्र के तौर पर सोशल मीडिया भीड़ जुटाने में सबसे बड़ा हथियार साबित हुआ है। इन तीनों ही देशों में राजनीतिक असंतोष का विस्फोट किसी एक मुद्दे को लेकर शुरू हुआ और क्रमशः आर्थिक संकट, कोटा और सोशल मीडिया प्रतिबंध ने एक तरह से सूखी घांस में चिंगारी गिराने का काम किया। इस आग में घी डालने का काम भीतर ही भीतर लंबे समय से युवाओं के मन में दबा गुस्से ने किया। तत्कालीन सरकारें युवाओं को आंदोलन के रास्ते जाने से रोक भी सकती थीं, लेकिन उसके लिए संवाद बहुत जरुरी होता है। यहां बातचीत के रास्ते बहुत हद तक बंद कर दिए गए थे। सरकार और सुरक्षा-तंत्र से कठोर प्रतिक्रियाएं मिलती देख आंदोलन भड़का। पुलिस गोलीबारी, इंटरनेट प्रतिबंध, क र्यू और गिर तारियों जैसी कार्रवाइयों ने आंदोलनों को भड़काने में मदद की। इन कारणों ने सरकार की उपलब्धता और वैधता पर सवाल खड़े कर दिए। परिणाम तख्ता पलट के तौर पर सामने आए, जिससे अन्य राष्ट्रों को सबक लेने की आवश्यकता है। शासन-प्रशासन को चाहिए कि युवाओं के लिए जहां शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसर तलाशे वहीं देश के समस्त नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं के साथ ही साथ रोटी-कपड़ा और मकान का माकूल इंतजाम करे। इससे देश में अराजकता फैलने से बचेगी और जो युवा आक्रोश पनप रहा है उससे भी देश व सरकार को राहत मिलेगी।

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

हंसते-मुस्कराते चेहरे का आकर्षण और समाज में उसका महत्व

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जब हर कोई तनाव, चिंता और चुनौतियों से जूझ रहा है, ऐसे समय में एक हंसता-मुस्कराता चेहरा सबसे बड़ी राहत देता है। सच कहा जाए तो प्रसन्नचित व्यक्ति अपने आसपास सकारात्मकता का वातावरण रच देता है। उसकी उपस्थिति में लोग सहज अनुभव करते हैं, मन प्रसन्न होता है और बातचीत करने का मन बार-बार करता है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

हंसते हुए व्यक्ति की सबसे बड़ी विशेषता यह होती है कि वह दूसरों को भी मुस्कुराना सिखा देता है। जब कोई इंसान संतुष्ट और आत्मविश्वासी दिखाई देता है, तो लोग मान लेते हैं कि उसने जीवन की कठिनाइयों पर विजय पा ली है। इसी कारण उससे जुड़ने और मित्रता करने की स्वाभाविक चाह हर किसी के मन में जन्म लेती है। हालांकि, यह भी सच है कि हर मुस्कुराता चेहरा भीतर से प्रसन्न हो, यह ज़रूरी नहीं। कई बार हंसी बाहरी आवरण भी हो सकती है। लेकिन समाज की दृष्टि से देखा जाए तो जो व्यक्ति प्रसन्नचित रहता है, वह न केवल अपने लिए सुखद वातावरण बनाता है, बल्कि दूसरों के जीवन में भी रोशनी फैलाता है। यही कारण है कि ऐसे व्यक्ति के पास बैठना, उससे विचार साझा करना और उसका सान्निध्य पाना हर कोई चाहता है।

संतुष्ट और प्रसन्न व्यक्ति की मित्रता केवल व्यक्तिगत आनंद तक सीमित नहीं रहती, बल्कि सामाजिक सहयोग और सामूहिक प्रगति का मार्ग प्रशस्त करती है। वह अपने अनुभवों से दूसरों की समस्याओं का समाधान खोजने में मदद करता है और सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत बनता है। यही वजह है कि जिसके मित्र और सहयोगी अधिक होते हैं, वह स्वयं भी प्रगति करता है और दूसरों को आगे बढ़ने की राह दिखाता है। आज के समय में समाज को ऐसे ही लोगों की आवश्यकता है, जो अपनी मुस्कान से निराशा को आशा में बदल सकें, अपने आत्मबल से दूसरों में ऊर्जा जगा सकें और अपने संतोष से समाज को सिखा सकें कि जीवन की वास्तविक उपलब्धि बाहरी वैभव में नहीं, बल्कि अंतर्मन की शांति और प्रसन्नता में है।

'नशा समाज को खोखला कर देता है और राष्ट्र निर्माण में सबसे बड़ी बाधा है'

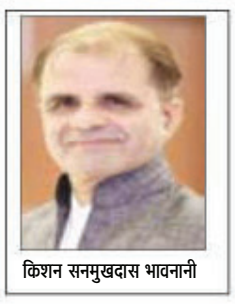

किशन सनमुखदास भावनानी

भारत एक ऐसे युग से गुजर रहा है जहां विकास आधुनिकता और वैश्वीकरण की चुनौतियाँ समानांतर रूप से सामने खड़ी हैं। इनमें सबसे खतरनाक और जटिल समस्या मादक पदार्थों (ड्रग्स) की है। यह समस्या केवल भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनियाँ के लिए एक गंभीरसंकट है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूंकि,ड्रग्स का अवैध कारोबार और उसका सेवन समाज की जड़ों को खोखला करता है, युवाओं की ऊर्जा को नष्ट करता है और राष्ट्रीय सुरक्षा पर भी गहरा असर डालता है। इसी पृष्ठभूमि में भारत ने 'नशा मुक्त भारत@2047' का लक्ष्य तय किया है, जो आजादी के 100 वर्ष पूरे होने तक एक ऐसे भारत की परिकल्पना करता है जहाँ मादक पदार्थों का अवैध कारोबार और सेवन पूरी तरह समाप्त हो सके। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में एंटी नार्कोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटी एफ), एनसीओआरडी (नेशनल कोऑर्डिनेशन सेंटर ड्ढ्र नकॉर्ड मैकेनिज्म)और नार्कोटिक्स कंट्रोलब्यूरो (एनसीबी) की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है।ड्रग्स की समस्या केवल सामाजिक या स्वास्थ्य संबंधी नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा से भी गहराई से जुड़ी है। ड्रग्स का पैसा आतंकी संगठनों और संगठित अपराध के लिए फंडिंग का प्रमुख स्त्रोत है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश के लिए यह खतरा और भी गंभीर है क्योंकि इसके पड़ोसी देशों में ड्रग्स उत्पादन और तस्करी का नेटवर्क सक्रिय है। 'गोल्डन ट्राएंगल' और 'गोल्डन क्रिसेंट' क्षेत्र से भारत में ड्रग्स की तस्करी लंबे समय से होती रही है।इसीलिए भारत की एंटी नार्कोटिक्स नीति में राष्ट्रीय सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है।आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं,क्योंकि आगामी 16-17 सितंबर 2025 को नई दिल्ली में एकऐतिहासिक सम्मेलन आयोजित होने जा रहा है। इसमें भारत के सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के एंटी नार्कोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) प्रमुख,अन्य सरकारी विभागों के हितधारक तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ शामिल होंगे। यह सम्मेलन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह नशा मुक्त भारत @ 2047 के विजन को ठोस आधार प्रदान करेगा और आने वाले वर्षों के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार करेगा।भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन स्थापित एंटी नार्कोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटी एफ)को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मादक पदार्थों के खिलाफ एक संयुक्त तंत्र के रूप में गठित किया गया है।यह तंत्र आपूर्ति कम करने, मांग को नियंत्रित करने और नुकसान कम करने की नीति पर एक साथ काम करता है। एएनटीएफ का उद्देश्य केवल कानून प्रवर्तन तक सीमित नहीं है बल्कि समाज में जागरूकता, शिक्षा और पुनर्वास को भी समान प्राथमिकता देना है। भारत के पीएम ने कई मौकों पर कहा है कि 'नशा समाज को खोखला कर देता है और राष्ट्र निर्माण में सबसे बड़ी बाधा है।' इसी सोच को मूर्त रूप देने के लिए केंद्रीय गृहमंत्री की अगुवाई में लगातार कदम उठाए जा रहे हैं। साथियों बात अगर हम सम्मेलन का विषयः संयुक्त संकल्प, साझा जिम्मेदारी की करें तो इस द्वितीय राष्ट्रीय सम्मेलन का विषय 'संयुक्त संकल्प, साझा जिम्मेदारी' रखा गया है। यह विषय अपने आप में मादक पदार्थों की समस्या के समाधान का मूल मंत्र है। ड्रग्स की समस्या केवल एक विभाग या एजेंसी की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि पूरे समाज, सरकार और नागरिकों का सामूहिक दायित्व है। आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ने के लिए पुलिस,सीमा सुरक्षा बल, तटरक्षक बल और कस्टम विभाग को मिलकर काम करना होगा। मांग कम करने के लिए शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग और सामाजिक संगठन अहम भूमिका निभाएँगे। नुकसान कम करने के लिए पुनर्वास केंद्र, मनोवैज्ञानिक और चिकित्सक सक्रिय योगदान देंगे। इस प्रकार यह समस्या एक बहुआयामी दृष्टिकोण की मांग करती है जिसे केवल साझा जिम्मेदारी के सिद्धांत से ही सफल बनाया जा सकता है।

साथियों बात अगर हम,2 दिनों तक चलने वाले इस सम्मेलन में तकनीकी सत्रःआठ विशेष विमर्श की करें तो भविष्य का रोडमैप और नीति निर्धारण- 2047 तक नशा मुक्त भारत का विजन पूरा करने के लिए दीर्घकालिक रणनीति पर मंथन होगा।ये आठ सत्र न केवल समस्या की गहराई को समझने का अवसर देंगे बल्कि समाधान की दिशा में ठोस कदम भी सुझाएँगे। (1)सम्मेलन के दौरान आठ तकनीकी सत्र (टेक्निकल सेशयंस)आयोजित किए जाएंगे। इनका उद्देश्य विभिन्न पहलुओं पर गहन चर्चा और रणनीति बनाना है।(2)ड्रग्स आपूर्ति श्रृंखला की रोकथाम-इसमें अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क, सीमा पार तस्करी, डार्कनेट और क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से होने वाले कारोबार को रोकने की रणनीतियों पर चर्चा होगी। (3)ड्रग्स की मांग कम करने की रणनीति -शिक्षा, जागरूकता, युवाओं को खेल और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने पर विचार किया जाएगा (4)नुकसान कम करने के उपाय-नशा करने वालों के पुनर्वास, स्वास्थ्य सेवाओं और मानसिक उपचार की दिशा में कदमों पर चर्चा होगी। (5) राष्ट्रीय सुरक्षा और ड्रग्स का संबंध-ड्रग्स से होने वाली आतंकी फंडिंग, संगठित अपराध और मनी लॉन्ड्रिंग के मुद्दों को संबोधित किया जाएगा। (6)कानून प्रवर्तन को सशक्त बनाना- पुलिस, एनसीबी और अन्य एजेंसियों के बीच समन्वय और आधुनिक तकनीक के उपयोग पर विमर्श होगा। (7) ड्रग्स और साइबर अपराध-डार्क वेब, सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का दुरुपयोग रोकने के लिए साइबर सुरक्षा उपायों पर चर्चा होगी। (8) अंतरराष्ट्रीय सहयोग- पड़ोसी देशों और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ सहयोग, सूचना साझा करने और संयुक्त अभियानों पर विचार होगा।इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की वार्षिक रिपोर्ट-2024 जारी करेंगे। इस रिपोर्ट में बीते वर्ष में ड्रग्स की जब्ती, गिर. तारियाँ, अवैध नेटवर्क का खुलासा और निवारक कदमों का विस्तृत विवरण होगा। साथ ही, श्री शाह ऑनलाइन ड्रग विनष्टीकरण अभियान (ड्रग डिस्पोजल कैंपेन) की शुरूआत करेंगे। यह अभियान एक अनोखी पहल होगी जिसमें जब्त किए गए मादक पदार्थों का निपटान पारदर्शी और तकनीकी रूप से सुरक्षित तरीके से किया जाएगा।

साथियों बात अगर हम,आपूर्ति, मांग और नुकसान कम करने की रणनीति तथा होल ऑफ द गवर्नमेंट अप्रोच की करें तोमादक पदार्थों की समस्या को तीन स्तरों पर समझा जाता है-(1)आपूर्ति कम करना-यानी ड्रग्स की तस्करी, उत्पादन और वितरण पर नियंत्रण।(2)मांग कम करना-यानी समाज में नशे की लत को रोकना और जागरूकता फैलाना(3) नुकसान कम करना-यानी नशे के शिकार लोगों का इलाज और पुनर्वास।

भारत ने इन तीनों स्तरों पर रणनीतियाँ अपनाई हैं। सीमा पार निगरानी बढ़ाना, ड्रोन और आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल, कस्टम और पुलिस को मजबूत करना आपूर्ति रोकने की दिशा में अहम कदम हैं। मांग कम करने के लिए युवाओं में खेलकूद, योग, सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। वहीं नुकसान कम करने के लिए पुनर्वास केंद्रों की संख्या बढ़ाई जा रही है और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाया जा रहा है। होल ऑफ द गवर्नमेंट अप्रोच-इस समस्या से निपटने के लिए केवल गृह मंत्रालय या एनसीबी पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा। इसके लिए एक होल ऑफ द गवर्नमेंट एप्रोच की आवश्यकता है। यानी केंद्र और राज्य सरकारों के सभी विभाग-शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, सामाजिक न्याय, सूचना प्रौद्योगिकी, वित्त और विदेश मंत्रालय-सभी को मिलकर काम करना होगा।

वैश्विकी : दक्षिण एशिया में हालात जटिल

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

दक्षिण एशिया आज जिस दौर से गुजर रहा है, वह केवल आंतरिक अस्थिरता की कथा नहीं है, बल्कि वैश्विक राजनीति की गहरी छायाओं से आच्छादित परिदृश्य भी है।

यह भू-भाग, जो कभी प्राचीन सभ्यताओं, सांस्कृतिक बहुलता और समृद्ध परंपराओं का उद्गम स्थल रहा, आज अंतरराष्ट्रीय शक्तियों के हितों की प्रयोगशाला और प्रतिस्पर्धा का अखाड़ा बन गया है। श्रीलंका से लेकर बांग्लादेश, नेपाल और म्यांमार तक, और पाकिस्तान से लेकर अफगानिस्तान तक, लगभग सभी देशों में उथल-पुथल, आंदोलनों और सत्ता संघर्ष का आलम है। इन घटनाओं ने क्षेत्र की स्थिरता को संकट में डाल दिया है।

श्रीलंका इसका सबसे ताजा उदाहरण है। 2022 में जब इस द्वीप राष्ट्र में आर्थिक संकट ने भयावह रूप लिया तब जनता ने राजपक्षे परिवार की सत्ता को उखाड़ फेंका। विदेशी कर्ज का बोझ, भ्रष्टाचार और राजनीतिक कुप्रबंधन ने आम लोगों को सड़कों पर उतरने को मजबूर कर दिया। यह आंदोलन सरकार-विरोधी आक्रोश भर नहीं था, बल्कि संकेत था कि जनता की आकांक्षाओं की उपेक्षा की जाएगी तो सत्ताधारी वर्ग के लिए कुर्सी बचाना असंभव होगा। कुछ ही समय बाद बांग्लादेश में भी आक्रोश की लपटें उठीं। शेख हसीना की सरकार, जिसने विकास और आर्थिक प्रगति के नाम पर स्थायित्व कायम किया था, अचानक विपक्ष और जनता के निशाने पर आ गई। बेरोजगारी, बढ़ती महंगाई और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर प्रश्न चिह्न ने आंदोलन को जन्म दिया। नेपाल की स्थिति और भी जटिल है। नेपाल का भूगोल, रणनीतिक स्थिति और भारत-चीन के बीच उसकी अहमियत ने इसे बाहरी हस्तक्षेप का सहज शिकार बना दिया है। वहां की राजनीति में लगातार बदलते गठबंधन, नेतृत्व की अस्थिरता और जनता की आकांक्षाओं की उपेक्षा ने असंतोष को हवा दी है।

राजतंत्र समर्थक और क रपंथी ताकतें असंतोष को भुनाने में जुटी हैं, जिससे नेपाल की सामाजिक संरचना में नई दरारें पड़ रही हैं। इसी तरह म्यांमार, जहां सेना ने लोकतांत्रिक सरकार को सत्ता से बेदखल कर दिया, वर्षों से गृह युद्ध और विद्रोह की चपेट में है। लाखों लोग विस्थापित हुए हैं। यहां विदेशी शक्तियों की भूमिका और भी स्पष्ट दिखती है। अमेरिका और प मी देशों का दबाव, चीन की गहरी आर्थिक पैठ और क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन की लड़ाई ने म्यांमार को अस्थिरता की ओर धकेल दिया है। पाकिस्तान की स्थिति भी किसी से छिपी नहीं है। यहां एक ओर सेना और न्यायपालिका की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं, वहीं लोकतांत्रिक ढांचा कमजोर होता जा रहा है। विदेशी कर्ज पर निर्भरता, मुद्रास्फीति और बढ़ते आतंकी हमलों ने जनजीवन को असुरक्षित बना दिया है।

दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया दो महाशक्तियों-अमेरिका और चीन-की प्रतिस्पर्धा का केंद्र बन चुका है। एक ओर चीन 'बेल्ट एंड रोड' जैसी महत्त्वाकांक्षी योजनाओं के माध्यम से पूरे क्षेत्र को अपनी आर्थिक-रणनीतिक पकड़ में लेना चाहता है, वहीं अमेरिका और उसके सहयोगी भारत, जापान व ऑस्ट्रेलिया के साथ 'क्वाड' जैसी साझेदारियों के जरिए इस प्रभाव को संतुलित करने की कोशिश कर रहे हैं। नतीजा यह है कि दक्षिण एशियाई देशों की आंतरिक राजनीति अब उनकी अपनी नहीं रह गई है। हर आंदोलन, हर सत्ता परिवर्तन और हर अस्थिरता के पीछे विदेशी छायाएं मंडराती दिखती हैं। यह क्षेत्र केवल भौगोलिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि रणनीतिक रूप से भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। हिन्द महासागर, मलक्का जलडमरूमध्य और हिमालयी गलियारों पर पकड़ बनाने की जद्दोजेहद ने बाहरी शक्तियों को यहां सक्रिय कर दिया है।

भारत, जो स्वयं इस क्षेत्र का सबसे बड़ा लोकतंत्र और उभरती शक्ति है, के लिए यह स्थिति दोहरी चुनौती लेकर आती है। एक ओर उसे अपने पड़ोस की अस्थिरता का सामना करना है, तो दूसरी ओर बाहरी शक्तियों के बढ़ते प्रभाव को भी संतुलित करना है। दक्षिण एशियाई देशों की समस्याओं का सबसे बड़ा कारण यह है कि शासक वर्ग ने जनता की अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को प्राथमिकता नहीं दी। लोकतंत्र चुनावों तक सीमित रह गया, जबकि शासन में

पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन का अभाव रहा। आर्थिक विकास का लाभ कुछ वगरे तक सीमित रहा, जिससे सामाजिक विषमता बढ़ी। यही असंतोष जब फूटता है, तो आंदोलन का रूप ले लेता है और जब यह आंदोलन विदेशी हितों से टकराता है, तो बाहरी शक्तियां अपने-अपने हित साधने के लिए उसे हवा देने से नहीं चूकतीं।

दक्षिण एशियाई दरारें केवल क्षेत्रीय संकट नहीं हैं, बल्कि वैंकि व्यवस्था के लिए भी गंभीर चुनौती हैं। यदि यह क्षेत्र अस्थिर रहता है, तो न केवल एशिया, बल्कि पूरी दुनिया में शांति और विकास प्रभावित होंगे। इसलिए आवश्यक है कि विदेशी शक्तियां यहां अपने-अपने हित साधने की बजाय क्षेत्रीय स्थिरता और जनता के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

(लेख में विचार निजी हैं)

स्व. श्रीमती भाति देवी की स्मृति में समाजसेवा की अनूठी पहल

मृत्यु भोज के स्थान पर शिक्षा के क्षेत्र में खर्च, विद्यालय और छात्रावास में होगा मकान निर्माण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

भारतीय सामाजिक व्यवस्था में धीरे-धीरे सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है। हाल ही में 7 सितंबर 2025, रविवार को 95 वर्षीय स्व. श्रीमती भाति देवी का स्वर्गवास हो गया। परंपरागत मृत्यु भोज की प्रथा को त्यागते हुए उनके परिजनों ने समाजहित में शिक्षा क्षेत्र में राशि खर्च करने का संकल्प लिया है। स्व. भाति देवी के पुत्र विशंभर लाल-सुमित्रा देवी के पुत्र एवं पुत्रवधु संदीप सैनी (वरिष्ठ अध्यापक एवं ब्लॉक संयोजक, माली सैनी समाज संस्था झुंझुनूं) एवं सुनीता सैनी ने घोषणा की कि वे राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, जीवाराम की ढाणी कासिमपुरा में एक मकान का निर्माण करवाएंगे। इसके साथ ही झुंझुनूं हेडक्वार्टर पर प्रस्तावित माली सैनी समाज छात्रावास में भी एक मकान निर्माण करवाया जाएगा।

समाज में सराहना, बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

इस सराहनीय पहल की माली सैनी समाज संस्था झुंझुनूं के जिलाध्यक्ष महेंद्र शास्त्री, मीडिया प्रभारी नरेश बगड़, चिड़ावा ब्लॉक संयोजक देवकरण सैनी, उदयपुरवाटी ब्लॉक संयोजक जेपी सैनी, मंडावा ब्लॉक संयोजक संजय सैनी अलसिसरिया, नवलगढ़ ब्लॉक संयोजक विनोद सैनी, उपाध्यक्ष एसआई बाबूलाल सैनी, वरिष्ठ अध्यापक दलीप सैनी (इस्लामपुर), भाजपा नेता मुरारी सैनी, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष पवन मांवड़िया, सिंघाना प्रधान सरला सैनी, उदयपुरवाटी चेयरमेन रामनिवास सैनी, चिड़ावा नगरपालिका चैयरमेन सुमित्रा सैनी, खेतड़ी नगरपालिका चैयरमेन गीता सैनी, छोटेलाल नांगलिया, प्रधानाचार्य ओमप्रकाश सैनी आदर्श नगर, वरिष्ठ अध्यापक जमनालाल सैनी उदयपुरवाटी,पंचायत समिति सदस्य दिनेश कायस्थपुरा, वरिष्ठ अध्यापक रामप्रताप सैनी मेघसागर, हरफूलसिंह सैनी खण्डेला,मुनेश सैनी (नवलगढ़), भामाशाह रामस्वरूप सतरावला, सुनील सैनी सब इंस्पेक्टर, प्रोफेसर हितेश सैनी, नवनीत फौजी, जयभगवान सैनी, व्याख्याता घनश्याम सैनी बड़ागांव, सुरेश लालोढा सहित अनेक लोगों ने खुलकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह निर्णय न केवल सामाजिक बदलाव का प्रतीक है बल्कि शिक्षा और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य निर्माण की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा।

फसल अवशेष प्रबंधन को लेकर एसडीएम ने ली अधिकारियों की बैठक

ग्राम स्तर पर किया गया टीमों का गठन, अपने अपने क्षेत्र में पैनी नजर रखें अधिकारी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । धान के अवशेषों को जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए वीरवार को एसडीएम आकाश शर्मा ने लघु सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसडीएम आकाश शर्मा ने बताया कि उपमंडल टोहाना में लगभग 45,100 हेक्टेयर भूमि पर धान की फसल बोई गई है। उपमंडल के 12 गांव येलो जोन में चिह्नित किए गए हैं, जिन पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। उन्होंने कृषि अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को पर्याप्त मात्रा में फसल अवशेष प्रबंधन यंत्र उपलब्ध कराए जाएं। वर्तमान में उपमंडल में 34 स्ट्रा बेलर और 477 सुपर सीडर मशीनें उपलब्ध हैं, वहीं वर्ष 2025 में अतिरिक्त 11 स्ट्रा बेलर और 119 सुपर सीडर मशीनें और उपलब्ध कराई जाएंगी।

एसडीएम ने बीडीपीओ को निर्देश दिए कि वे गांवों में शामलात भूमि चिह्नित कर उसकी सूची कृषि एवं राजस्व विभाग को उपलब्ध कराएं, ताकि पराली की गांठों को वहां सुरक्षित रूप से स्टोर किया जा सके।

उन्होंने कहा कि एनजीटी द्वारा पराली जलाने पर कड़े निर्देश जारी किए गए हैं तथा केंद्र और प्रदेश सरकार भी फसल अवशेष प्रबंधन के लिए अनेक योजनाएं चला रही हैं। एसडीएम ने अधिकारियों से कहा कि पराली जलाने की घटनाओं पर शत-प्रतिशत अंकुश लगाया जाए। इसके लिए ग्राम स्तर पर गठित टीमों की जवाबदेही तय की जाए और अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में पैनी नजर रखें। एसडीएम ने कहा कि पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए पंचायत विभाग, राजस्व विभाग, कृषि विभाग, पुलिस और अन्य विभागों के अधिकारी व कर्मचारी आपसी तालमेल के साथ काम करें। इस कार्य में पुलिस भी अपनी अहम भूमिका निभाए। गांव में पेट्रोलिंग बढ़ाई जाए और घटना की सूचना मिलने पर तुरंत मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करें। एसडीएम आकाश शर्मा ने कहा कि संवेदनशील गांवों में स्कूलों व कॉलेजों में गतिविधियां चलाकर किसानों और युवाओं को जागरूक किया जाए। किसानों को समझाया जाए कि फसल अवशेष जलाने से मिट्टी की उपजाऊ शक्ति कमजोर होती है और पर्यावरण को भी गंभीर नुकसान पहुंचता है। उन्होंने बीडीपीओ को निर्देश दिए कि सभी गांवों में ग्राम सभा आयोजित कर फसल अवशेष प्रबंधन को लेकर ग्रामीणों को जागरूक किया जाए।

उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे पराली को जलाने के बजाए इसे या तो जमीन में मिला दें या इसकी गांठे बनाकर बेच दें। कई ऐसी इंडस्ट्री हैं, जो पराली की खरीद करती हैं। अगर कोई पराली जलाने की घटना सामने आती है तो जुर्माना लगाने के साथ साथ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। बैठक में तहसीलदार सन्नी दलाल, नायब तहसीलदार रोहित कौशिक, रसविन्द्र सिंह, अंजू, एसडीओ मुकेश मेहला सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

कौशल विकास एवं उद्यमिता पर गोयनका महाविद्यालय में सेमिनार का हुआ आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

मोहिनी देवी गोयंका पीजी महिला महाविद्यालय में गणपत बिजारणिया सीनियर कंसल्टेंट सेक्टर स्किल काउंसिल, मिनिस्ट्री ऑफ़ स्किल डेवलपमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप गवर्नमेंट ऑफ़ इंडिया के निर्देशन में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें उन्होंने छात्राओं को कौशल विकास कार्यक्रमों के संबंध में जानकारी दी। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. अर्चना शर्मा ने अपने स्वागत उद्बोधन में नई शिक्षा नीति के तहत भारत सरकार के द्वारा स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रमों की उपयोगिता को बताते हुए छात्राओं के लिए रोजगार परक कार्यक्रमों के द्वारा आत्मनिर्भरता हेतु कौशल विकास प्रशिक्षण पर जोर दिया। श्री बिजारणिया ने छात्राओं को ग्रामीण परिवेश में रहकर भी स्वयं को सशक्त बनाने के लिए शिक्षा के साथ-साथ कौशल विकास प्रशिक्षणों पर जोर दिया। इसमें छात्राओं के लिए सिलाई, ब्यूटीशियन, बुटीक, नर्सिंग, कृषि उद्यमिता एवं कंप्यूटर कौशल कार्यक्रमआदि कार्यक्रम को वर्तमान समय के अनुरूप आवश्यक बताया। छात्राओं को चरित्र निर्माण और व्यक्तित्व विकास के लिए मूल्य आधारित शिक्षा व संस्कारों की उपयोगिता के संबंध में भी व्याख्यान दिया इससे कार्यक्रम में सहभागी समस्त स्टाफ सदस्य एवं समस्त छात्राएं लाभान्वित हुए।

तोदी महाविद्यालय में एनसीसी कैडेट्स भर्ती का हुआ आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

श्री भगवानदास तोदी महाविद्यालय में 3-राज बटालियन सीकर द्वारा नए सत्र हेतु एनसीसी कैडेट्स की भर्ती का आयोजन किया गया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. एन. एस. नाथावत ने बताया कि इस भर्ती हेतु 3 राज बटालियन सीकर से प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल शाही पी., सीडीए ऑफिसर, सूबेदार कुलविंदर सिंह, सूबेदार गुरमीत सिंह, सीएचएम मोहम्मद हुसैन तथा महाविद्यालय के एनसीसी अधिकारी लेफ्टीनेंट डॉ नरेश कुमार वर्मा द्वारा भर्ती प्रक्रिया संपन्न करवाई गई।इस अवसर पर भर्ती में शामिल होने वाले छात्र छात्राओं का संपूर्ण पारदर्शिता के साथ दौड़, शारीरिक परीक्षण, लिखित एवं मौखिक परीक्षा के माध्यम से कुल 34 केडेट्स का चयन किया गया।

ग्रामीण सेवा शिविर में घीसालाल को मिला विद्युत कनेक्शन, प्रार्थी ने जताया आभार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

उपखण्ड अधिकारी मोहर सिंह मीना ने बताया कि ग्राम पंचायत पालड़ी में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर 2025 ने एक और आमजन की समस्या का त्वरित समाधान कर प्रशासनिक संवेदनशीलता का परिचय दिया। शिविर के दौरान प्रार्थी घीसालाल जागिड़ पुत्र जगदीश जागिड़, जाति जागिड़, निवासी पालड़ी ने उपखंड अधिकारी एवं शिविर प्रभारी मोहर सिंह मीना के समक्ष निवेदन किया कि उन्होंने 16 सितम्बर 2025 को अपने विद्युत कनेक्शन के लिए डिमांड नोटिस जमा कराया है, लेकिन विद्युत कनेक्शन जारी नहीं हुआ है।शिविर प्रभारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए स्वयं जांच कर संबंधित विभाग को तुरंत विद्युत कनेक्शन जारी करने के निर्देश दिए। विभागीय अधिकारियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शिविर के दौरान ही प्रार्थी का मीटर (संख्या: 15732456) स्थापित कर विद्युत आपूर्ति शुरू कर दी।घीसालाल ने बताया कि यह कार्य उसके लिए केवल आर्थिक राहत नहीं, बल्कि मानसिक सुकून का कारण भी बना। उन्होंने कहा यदि यह ग्रामीण सेवा शिविर नहीं होता, तो मुझे यह कार्य करवाने में कई चक्कर लगाने पड़ते और महीनों का समय लग लग जाता।प्रार्थी घीसालाल ने शिविर में उपस्थित सभी अधिकारियों, उपखंड प्रशासन और राजस्थान सरकार के यशस्वी मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया और शिविर को जनकल्याण की दिशा में एक सफल पहल बताया।

आयुष्मान हार्ट अस्पताल के खिलाफ धरना जारी, कांग्रेस प्रदेश सचिव ने प्रशासन पर लगाए आरोप

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । आयुष्मान हार्ट अस्पताल और डॉ. बीएल स्वामी से पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने के लिए चल रहा अनिश्चितकालीन धरना आज नौवें दिन भी जारी रहा। यह धरना आयुष्मान हार्ट अस्पताल पीड़ित संघर्ष समिति के बैनर तले और कांग्रेस प्रदेश सचिव रामनिवास कुकणा के नेतृत्व में चल रहा है। रामनिवास कुकणा ने इस मौके पर कहा कि डॉ. बीएल स्वामी द्वारा खुलेआम मरीजों को लूटा गया और इलाज में लापरवाही के कारण कई लोगों की जान चली गई, लेकिन प्रशासन इस डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय उसे बचाने में लगा हुआ है। उन्होंने इस रवैये को अत्यंत निंदनीय बताते हुए कहा कि अब वे सड़कों पर उतरकर आर-पार की लड़ाई लड़ेंगे। पूर्व अध्यक्ष कृष्णकुमार गोदारा ने भी इस आंदोलन का समर्थन करते हुए कहा कि डॉ. बीएल स्वामी लंबे समय से मरीजों के साथ दुर्व्यवहार कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस आंदोलन के शुरू होने के बाद और भी पीड़ित लोग सामने आ रहे हैं और अपनी आवाज उठा रहे हैं।एनएसयूआई जिलाध्यक्ष हरीराम गोदारा ने बताया कि इस लड़ाई को गति देने के लिए संघर्ष समिति के सदस्य लगातार पीड़ितों से संपर्क कर रहे हैं और उन्हें आंदोलन की अगली रणनीति के बारे में बता रहे हैं। इस अवसर पर मुनीराम कड़वासरा, मोहन मेघवाल, मोहन सिंह, सरवर जसलेरा, मुकेश मारू, चुन्नीलाल, रतिराम बुड़िया, बशीर खान, मूलाराम कुकणा सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे। यह धरना पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने और दोषी डॉक्टर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर लगातार जारी है।

एसएमएस स्कूल उदयपुरवाटी के छात्रों का जिला स्तरीय कराटे में शानदार प्रदर्शन, जीते 9 मेडल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । एसएमएस स्कूल, उदयपुरवाटी के विद्यार्थियों ने हाल ही में आयोजित जिला स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल नौ मेडल अपने नाम किए हैं। इस शानदार उपलब्धि ने स्कूल का नाम रोशन किया है। मेडल विजेताओं का विवरण में रिधम शर्मा ने 82+ किग्रा वर्ग में गोल्ड मेडल जीतकर पहला स्थान प्राप्त किया। रोहित कनवा (35 किग्रा) और दीपक सैनी (82+ किग्रा) ने अपने-अपने वर्गों में सिल्वर मेडल हासिल किए। युवराज कुमावत (50 किग्रा), मोहित सैनी (45 किग्रा), राजवीर (65 किग्रा), अरमान (70 किग्रा), विश्वास कनवा (30 किग्रा) और कृष्णा (60 किग्रा) ने ब्रॉन्ज मेडल जीतकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यालय लौटने पर इन सभी विजेता छात्रों का भव्य स्वागत किया गया। प्रधानाचार्य प्रभु दयाल सैनी और अध्यक्ष रामावतार सैनी ने मेडल विजेता विद्यार्थियों और उनके कोच रवि और आजाद का माल्यार्पण कर सम्मान किया। संस्था सचिव बंशीधर चौधरी ने इस उपलब्धि पर सभी छात्रों और कोच को बधाई दी। उन्होंने बताया कि यह परिणाम छात्रों की कड़ी मेहनत और समर्पण को दर्शाता है। यह जीत न केवल छात्रों के लिए बल्कि पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है, जो खेलकूद को भी शिक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा मानता है।

फतेहाबाद जिला कोर्ट कर्मचारी पर कुत्ते से हमला करवाने वाली महिला आरोपी गिरफ्तार

भुना पुलिस ने अदालत के आदेश की अवहेलना पर की कार्रवाई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.भुना/टोहाना।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में थाना भुना पुलिस ने न्यायालय के आदेशों की अवमानना करने के मामले में एक महिला सह-आरोपी संतोष देवी पत्नी भगत सिंह, निवासी गांव नाढोडीं को गिरफ्तार किया है।महिला आरोपी को माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायालय के आदेशानुसार जमानत पर रिहा कर दिया गया। इस मामले में एक अन्य आरोपी को पुलिस पूर्व में ही गिरफ्तार कर चुकी है। थाना प्रभारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश ने जानकारी देते हुए बताया कि यह मामला E&e-29-2023 राजेंद्र बनाम भगत सिंह से संबंधित है, जिसमें न्यायालय द्वारा कई बार कंडीशनल वारंट जारी किए गए थे, परंतु आरोपी पक्ष द्वारा लगातार अदालती आदेशों की अवहेलना की जा रही थी। दिनांक 30 जून से 2 जुलाई के बीच जब कोर्ट कर्मचारी आरोपी भगत सिंह के घर वारंट तामील कराने गया, तो आरोपी की पत्नी संतोष देवी ने जानबूझकर अपने पालतू कुत्ते को छोड़कर कोर्ट कर्मचारी पर हमला करवा दिया, जिससे वह घायल हो गया। मामले की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए माननीय न्यायालय ने थाना भुना में एफआईआर संख्या 219, दिनांक 15.07.2025 के तहत धारा 11(1) और 132 भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) में केस दर्ज करने के आदेश दिए। आदेशानुसार मुकदमा दर्ज कर उसकी रिपोर्ट इलाका मजिस्ट्रेट एवं संबंधित उच्च अधिकारियों को भेज दी गई है।

टोहाना एसडीएम ने समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याएं सुनी

अधिकारियों को तत्परता से समाधान के निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । एसडीएम आकाश शर्मा ने वीरवार को समाधान शिविर में आम नागरिकों की समस्याएं सुनी और संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिविर में आने वाली शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए और किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एसडीएम आकाश शर्मा ने कहा कि समाधान शिविर प्रशासन और जनता के बीच संवाद का सशक्त माध्यम है, जिसके माध्यम से नागरिक अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के सामने रख सकते हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लिया जाए और शिकायत के निपटारे के बाद उसकी एक्शन टेकन रिपोर्ट समय पर भेजी जाए, ताकि निगरानी व्यवस्था को और मजबूत बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि शिविर में प्राप्त शिकायतों की नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जा रही है और समाधान की स्थिति की समीक्षा भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता और जवाबदेही प्रशासन की प्राथमिकता है तथा जनता को राहत पहुंचाना ही समाधान शिविरों का मुख्य उद्देश्य है। समाधान शिविर के दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं पर नागरिकों ने अपनी शिकायतें दर्ज करवाई। जिनमें बिजली, पानी, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और सार्वजनिक सुविधाओं से संबंधित मुद्दे प्रमुख रहे। इस अवसर पर एसडीएम ने अधिकारियों को मौके पर ही कई शिकायतों का निपटारा करने के निर्देश दिए।

टोहाना ट्रैफिक पुलिस का सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम हुआ आयोजित

मॉडल के एम सरस्वती सीनियर सैकंडरी स्कूल में ट्रेफिक इन्स्पेक्टर राज कुमार व सब इन्स्पेक्टर राजबीर ने सभी बच्चों को सुरक्षित यातायात का दिया मंत्र

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धांत जैन, आईपीएस के मार्गदर्शन में जिलेभर में सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सेवा पखवाड़ा के तहत टोहाना ट्रैफिक पुलिस द्वारा विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित कर बच्चों को यातायात नियमों की जानकारी दी जा रही है। निरीक्षक राजकुमार (ज़ोन प्रभारी, टोहाना) के नेतृत्व में यातायात पुलिस टीम ने मॉडल के.एम. सीनियर सेकेंडरी स्कूल, डंगरा में पहुंचकर छात्र-छात्राओं के बीच एक जागरूकता सत्र का आयोजन किया।कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने बच्चों को सरल भाषा में बताया कि ट्रैफिक नियमों की पालना करना केवल कानूनी दायित्व नहीं, बल्कि हर नागरिक का नैतिक कर्तव्य भी है। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और ट्रैफिक नियमों से संबंधित कई प्रश्न पूछे, जिनके उत्तर ट्रैफिक पुलिस टीम द्वारा विस्तार से दिए गए। टीम ने बच्चों को यह भी बताया कि सड़क दुर्घटनाओं से बचने के लिए केवल जानकारी पर्याप्त नहीं, उसका पालन व्यवहार में करना ज़रूरी है।निरीक्षक राजकुमार ने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि "आप न केवल स्वयं ट्रैफिक नियमों का पालन करें, बल्कि अपने परिवार, मित्रों और समाज को भी जागरूक करें। जब नई पीढ़ी यातायात अनुशासन को अपनाएगी, तो पूरे समाज में दुर्घटनाएं स्वतः ही कम हो जाएंगी।"कार्यक्रम के अंत में यातायात पुलिस टीम ने विद्यालय प्रबंधन का आभार व्यक्त किया और आश्वस्त किया कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आगे भी निरंतर रूप से जारी रहेंगे, ताकि भविष्य की पीढ़ी एक सुरक्षित और अनुशासित यातायात संस्कृति को अपनाकर समाज को बेहतर बना सके।

स्व. मुखराम यादव की पुण्य स्मृति में श्री श्याम मानव सेवा संस्थान में भोजन प्रसादी का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

बुहाना स्थित श्री श्याम मानव सेवा संस्थान में एक नेक पहल के तहत, शेरसिंह यादव (एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर), निवासी शिवसिंहपुरा बड़ी पचेरी, ने अपने दिवंगत पिताजी स्व. मुखराम यादव की पुण्य स्मृति में संस्थान को भोजन प्रसादी हेतु आर्थिक सहायता प्रदान की। यह पहल जरूरतमंदों की सेवा करके श्रद्धांजलि अर्पित करने का एक सच्चा उदाहरण पेश करती है। इस पुण्य कार्य को पूरा करने के लिए, शेरसिंह यादव के भाई धर्मचंद यादव (निवासी शिवसिंहपुरा) विशेष रूप से संस्थान पहुंचे। उन्होंने अपने हाथों से जरूरतमंदों, असहाय और मानसिक रूप से असमर्थ लोगों को भोजन प्रेमपूर्वक वितरित किया। इस सेवा कार्य में संस्थान के निदेशक डॉ. संदीप कुमार, डॉ. रघुवीर चौधरी, भूप सिंह यादव, पिंकी रानी, और नेहा शर्मा ने भी सहयोग किया। सभी ने मिलकर इस नेक कार्य को सफल बनाया और भामाशाह का सम्मान किया।

सच्ची श्रद्धांजलि का संदेश

संस्थान ने इस दिव्य कार्य को न केवल स्व. मुखराम यादव की आत्मा की शांति के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया, बल्कि इसे समाज के लिए एक प्रेरणादायक संदेश भी माना। इस आयोजन से यह बात सामने आई कि श्रद्धांजलि का सबसे सच्चा और सार्थक रूप जरूरतमंदों की सेवा करना है, क्योंकि ऐसा कार्य व्यक्ति की स्मृति को अमर बना देता है। यह पहल समाज में दूसरों के प्रति करुणा और सेवा भाव को प्रोत्साहित करती है।

तिगरा बणी के समीप बाइक को ट्रैक्टर ने अपनी चपेट में, बाइक सवार भाई की मौत, छोटा भाई घायल

मृतक का विवाह ढाई साल पूर्व हुआ था, परिवार उस पर ही आश्रित था, प्रशासन से आर्थिक सहायता की गुहार की

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । अटेली-सीहमा मार्ग पर गुरुवार को तिगरा बणी के समीप बाइक चालक को एक ट्रैक्टर चालक ने चपेट में ले लिया, जिसमें बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उसका भाई घायल हो गया। बाइक चालक अटेली कस्बे में एक दुकान पर सब्जी विक्रेता के पास मजदूरी कर अपने गरीब परिवार को चलाता था। युवक की विवाह ढाई साल पहले 2022 में हुआ था, युवक की मौत पर गांव में मातम छा गया। सुबह करीब 9 बजे की घटना के बाद समाचार लिखे जाने तक युवक का पोस्टमार्टम नहीं हो सका था, पुलिस अग्रिम कार्रवाई में लगी हुई थी। मिली जानकारी के अनुसार गांव सिहमा निवासी 34 वर्षीय रविंद्र अपने छोटे भाई राज कुलदीप के साथ बाइक पर बैठ कर हर रोज की तरह मंडी अटेली में मजदूरी के लिए आ रहा था। तिगरा की बणी के समीप तेज गति से आ रहे एक ट्रैक्टर ने दोनों भाईयों को चपेट ले लिया। जिसमें रविंद्र की मौके पर ही मौत हो गई उसका भाई घायल हो गया।

फतेहाबाद जिला के एस पी सिद्धांत जैन ने साइबर क्राइम के प्रति जनता को किया जागरूक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । भारतीय कंप्यूटर इमरजेंसी रेस्पॉन्स टीम द्वारा एप्पल डिवाइस यूज़र्स के लिए साइबर सुरक्षा संबंधी चेतावनी जारी की गई है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस ने नागरिकों को जागरूक करते हुए महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की। एसपी जैन ने बताया कि साइबर अपराधी तकनीक का दुरुपयोग कर लोगों को निशाना बना रहे हैं। हाल ही में प्रमाणपत्र-ईन ने आईफोन, आईपैड और मैकबुक जैसे डिवाइस यूज़र्स के लिए हाई-रिस्क सिक्योरिटी

अलर्ट जारी किया है। ऐसे में हर नागरिक को अपनी डिवाइस और निजी डाटा की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहना बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यूज़र्स को डिवाइस का सॉफ्टवेयर और ऐप्स समय-समय पर अपडेट करना चाहिए तथा केवल आधिकारिक व विश्वसनीय ऐप स्टोर से ही एप्लिकेशन डाउनलोड करनी चाहिए। अनजान ई-मेल, लिंक या एसएमएस पर क्लिक करना किसी भी स्थिति में खतरनाक साबित हो सकता है। एसपी जैन ने कहा कि* थोड़ी-सी लापरवाही बड़ा नुकसान पहुँचा सकती है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अधिक से अधिक लोगों को इस जानकारी से अवगत कराएँ, ताकि सभी साइबर अपराध से सुरक्षित रह सकें।

ग्रामीण सेवा शिविर में खातेदारों की मांग पर तैयार हुआ रास्ता प्रस्ताव, ग्रामीणों ने जताया आभार

खातेदारों की वर्षों पुरानी मांग को प्रशासन ने मौके पर ही किया पूरा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

उपखण्ड क्षेत्र की ग्राम पंचायत बीदासर में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर 2025 के दौरान बिड़ोदी बड़ी गांव के 47 खातेदारों की वर्षों पुरानी मांग को प्रशासन ने मौके पर ही पूरा किया। प्रार्थीगण रामकरण पुत्र बक्शा, गोविन्दसिंह पुत्र फुलाराम, सुभाष पुत्र लालचंद, महेश कुमार पुत्र शिशपाल, श्यामलाल पुत्र

झुंथाराम, सुधीर पुत्र सुल्तान सहित अन्य खातेदारों ने शिविर प्रभारी उपखण्ड अधिकारी मोहर सिंह मीना के समक्ष उपस्थित होकर बताया कि जाखड़ों का जोहड़ के दक्षिण-पश्चिम कोने से उनके खेतों और आवासीय मकानों तक जाने वाला रास्ता वर्षों से बना हुआ है, लेकिन उसका राजस्व रिकॉर्ड में कोई अंकन नहीं है।इस कारण से उन्हें सरकारी योजनाओं जैसे ग्रेवलिंग, सड़क निर्माण आदि का लाभ नहीं मिल पा रहा था। ग्रामीणों ने इस रास्ते को रिकॉर्ड में दर्ज करवाने की मांग की।शिविर प्रभारी ने मामले की गंभीरता को समझते हुए भू-अभिलेख निरीक्षक बीदासर व हल्का पटवारी बिड़ोदी बड़ी को मौके पर जाकर जांच करने के निर्देश दिए।अधिकारियों ने शिविर के दौरान ही मौका निरीक्षण कर रास्ता प्रस्ताव तैयार किया।रास्ता प्रस्ताव बनते ही ग्रामीणों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि यह शिविर नहीं होता, तो उन्हें लंबी न्यायिक प्रक्रिया से गुजरना पड़ता और वर्षों तक कोई समाधान नहीं मिलता। खातेदारों ने प्रशासन, उपखण्ड अधिकारी एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों के अनुसार यह शिविर उनके लिए अत्यंत लाभकारी और सफल रहा।

अटेली में नपा की बड़ी कार्रवाई; 30 साल पुराने अवैध खोखे व दुकानों को हटाया, मुख्य मार्ग हुआ अतिक्रमण मुक्त

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । अटेली कस्बे में बृहस्पतिवार को नये बस स्टैंड व व अनाज मंडी गेट के आस-पास 30 साल पुराने अवैध-खोखों,दुकानों को हटाया, मार्ग हुआ अतिक्रमण मुक्त। अटेली नपा ने व्यापक स्तर पर अभियान चलाकर हटाया, नपा द्वारा पहले नोटिस देने के साथ चस्पाये थे, खोखा संचालकों व रेहड़ी संचालकों में खलबली मची हुई है। खोखे संचालकों के सामने रोजी रोटी का संकट बना, मुख्य बाजार हुआ खुला,लोगों की मिली जुली प्रतिक्रिया सामने आ रही है। लंबे समय से रोड के साथ अवैध खोखों के कारण वाहन चालकों का निकलना दूभर बना हुआ था। अपनी आजीविका का साधन हटने से पहले , खोखा संचालकों ने स्वास्थ्य मंत्री को भी ज्ञापन सौंपा था लेकिन कोई लाभ नहीं मिला। रेहड़ी संचालकों व

खोखा संचालकों का कहना है कि वो सडक़ पर आ गये है तथा बच्चों के लिए रोजी रोटी के लाले पड़ गये है। रेहड़ी संचालक दयाराम, पंकज कुमार, जावेद खान, नत्थूराम, महेंद्र, किशन पाल आदि ने बताया कि बस स्टैंड के आस-पास रेहड़ी, ठेला आदि लगा कर अपने परिवारों को पाल रहे थे। नगरपालिका सचिव प्रशांत पाराशर ने बताया कि रोड के साथ अवैध खोखों व अतिक्रमण से आम जनता काफी परेशान थी। अनेक लोगों ने सरकारी जगह पर बड़े-बड़े खोखे कर करने के साथ किराये पर दिये हुए थे। नपा सचिव ने बताया कि इसके बाद पावर हाउस के साथ लगे खोखो तथा उसके सामने कुछ दुकानदारों द्वारा अतिक्रमण के साथ अवैध कब्जे किये हुए थे। कुछ सेठ तथा कुछ लोग खोखों को किराये पर देकर सरकारी जमीन का एक तरह से अवैध किराया वसूल रहे थे। ऐसे लोगों का चिन्हित किया जा रहा है। जागरूक लोगों का कहना है कि अवैध खोखों हटने से मुख्य मार्ग चौड़ा हो गया है, अब वाहन चालकों किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। बस स्टैंड के साथ उनिंदा सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट तक चार करोड़ की लागत से नाला भी बनना है इसलिए इनको हटाना भी जरूरी था। रेहड़ी वालों को किसी भी तरह से परेशान नहीं किया जा रहा है।

शब्दाक्षर राजस्थान प्रदेश इकाई की कार्यकारिणी का पुनर्गठन, सुरेश कुमार जांगिड प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नवलगढ़।

कमल किशोर पंवार । "शब्दाक्षर" राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि प्रताप सिंह अध्यक्ष ने प्रसिद्ध कवि सेवानिवृत शिक्षक सुरेश कुमार जांगिड को "शब्दाक्षर" प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया है। सुरेश कुमार जांगिड साहित्यकार व लेखक है। आपकी कविताएं दूरदर्शन आकाशवाणी पर प्रस्तुत होती रहती है। सरकारी सेवा व अन्य सांस्कृतिक व

साहित्यिक कार्यक्रमों आपकी क्षेत्र में अहम भूमिका रही है। आप संगीतकार व अच्छे गायक है। बंधे का बालाजी झुंझुनू मे "शब्दाक्षर" के राष्ट्रीय साहित्योत्सव मे आपके स्वागत गीत व विदाई गीत को सराहना मिली। अंगिरा सेवा समिति में आप सचिव पद पर आसीन है। "शब्दाक्षर" प्रदेश कार्यकारिणी का विस्तार किया गया है जिसमें प्रदेश उपाध्यक्ष वरिष्ठ चिकित्सक व कवि डॉ लक्ष्मीकांत शर्मा चिड़ावा, प्रदेश सचिव मुकेश मारवाड़ी दुर्जनपुरा शिक्षक व अच्छे कवि है। मंच संचालन मे भी आप पारंगत है। मुरली मनोहर चोबदार को प्रदेश संगठन मंत्री बनाया गया है आप सामाजिक कार्यो मे बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया लेते है। पंकज शाह को प्रदेश मीडिया प्रभारी बनाया गया है आप सक्रिय सदस्य है। अनिल बिरोलिया को प्रदेश अर्थ मंत्री पद दिया गया है। आप कुशल वाणिज्य वेता व प्रबन्धक है। उषा मानसिंहका को प्रदेश साहित्य मंत्री बनाया गया है। प्रदेश अध्यक्ष बनने पर सुरेश कुमार जांगिड़ ने कहा कि वे राजस्थान मे साहित्य व कविता के उत्थान के लिये कार्य करेंगे। युवाओं को इस कड़ी मे शामिल किया जायेगा तथा राजस्थान प्रदेश में इकाइयों की स्थापना करेंगे। जिला अध्यक्ष रमाकांत सोनी प्रखंड अध्यक्ष डॉ अनिल कुमार शर्मा ने सभी को बधाईयां दी।

सीकर में राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सीकर।

सीकर के राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय ने दसवें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस 2025 के अवसर पर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया। इसका मुख्य उद्देश्य आम लोगों को आयुर्वेद के महत्व और इसके स्वास्थ्य लाभों के बारे में जागरूक करना था।

प्राचार्य डॉ. महेंद्र कुमार सोरठा ने बताया कि इन आयोजनों में आयुर्वेद जागरूकता रैली, आयुष चिकित्सा शिविर, और वनस्पतिक द्रव्यों की प्रदर्शनी शामिल हैं। इसके अलावा, लोगों को स्वास्थ्य और पर्यावरणीय स्थिरता के लिए आयुर्वेद की उपयोगिता समझाने हेतु कई व्याख्यान भी आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों की शुरुआत छात्रों और कर्मचारियों के लिए आयोजित व्याख्यानों से हुई, जहाँ उन्हें आयुर्वेद को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया गया। स्वस्थवृत्त विभाग द्वारा आयुर्वेद आहार से संबंधित एक प्रतियोगिता और व्याख्यान का आयोजन भी हुआ, जिसे डॉ. पूनम तेतरवाल और डॉ. अभिषेक शर्मा ने सफलतापूर्वक संपन्न कराया। इन सभी आयोजनों में संस्थान के छात्र-छात्राओं, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। यह पहल न केवल छात्रों बल्कि स्थानीय नागरिकों के बीच भी आयुर्वेद के प्रति जागरूकता फैलाने में काफी सफल रही। इस तरह के कार्यक्रम आयुर्वेद को आधुनिक जीवन से जोड़ने और इसके पारंपरिक ज्ञान को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जिला स्तर पर विजेता रही स्कूल टीम के खिलाड़ियों का किया अभिनंदन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिराना।

चिरानियां शिक्षण संस्थान माध्यमिक विद्यालय, बागोरियां की ढाणी में 69 वीं जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में जिला स्तर पर विजेता रही टीम के खिलाड़ियों के सम्मान में समारोह का आयोजन हुआ। 69 वीं जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में 14 वर्षीय आयु वर्ग में छात्रा व छात्र वर्ग में आयोजित हुई खो-खो प्रतियोगिता में इस विद्यालय की दोनों टीमें जिला स्तर पर विजेता रही। एडवोकेट मोतीलाल सैनी उदयपुरवाटी की अध्यक्षता में आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि डॉ राजेंद्र कुमावत रहे। इस समारोह में अतिथियों ने विजेता टीम के खिलाड़ियों का पुष्प माला, मेडल व साफा पहनाकर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ राजेंद्र कुमावत ने विजेता टीम के खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेलों से ही युवाओं का शारीरिक एवं मानसिक विकास संभव है। खेल प्रतियोगिताओं से भाईचारे व सामाजिक सद्भाव की प्रवृति विकसित होती है। कार्यक्रम के अध्यक्ष एडवोकेट मोतीलाल सैनी उदयपुरवाटी ने कहा कि वर्तमान

समय स्पोर्ट्स के क्षेत्र में रोजगार के स्वर्णिम अवसर हैं। सैनी ने कहा कि इस प्रकार की खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन से क्षेत्र में छुपी हुई प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के अवसर प्राप्त होते हैं। विद्यालय निदेशक ओमप्रकाश सैनी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए, विजेता टीम के खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रधानाध्यापिका सुनीता सैनी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान टीम के कोच प्रभारी प्रयास सैनी, सूरजभान सिंगोदिया, महेश कुमार ओलखा, महेश सैनी, नेमीचंद सैनी, आशा सैनी, ईशू कंवर, सरिता सैनी, सुनीता सैनी, सुमन वर्मा आदि उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत हीरवा व गाड़ाखेड़ा में ग्रामीण सेवा शिविर के तहत गोद भराई, अन्नप्राशन व प्रवेश उत्सव

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सिंघाना।

ग्रामपंचायत हीरवा व गाड़ाखेड़ा में 18 सितम्बर 2025 को आयोजित ग्रामीण सेवा शिविरों के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से गोद भराई, अन्नप्राशन एवं प्रवेश उत्सव कार्यक्रम धूमधाम से मनाए गए। मुख्य अतिथि के रूप में उपखण्ड अधिकारी श्रीमती पूनम मीणा, उपनिदेशक बी.एस राठौड़ उपस्थित रहे। आयोजन महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्रीमती प्रभा लाम्बा, विकास अधिकारी, सरपंच तथा सेक्टर सुपरवाइजर श्रीमती ग्यारसी देवी सुपरवाइज़र श्रीमती मंजू मीणा की देखरेख में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं श्रीमती सुशीला, कमला, कान्ता, कौशल्या, विमला,

चंपा, आशा सहयोगिनी भगवती, निर्मला, अनिता, धापा, पुष्पा, माया के सहयोग से गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की गई, शिशुओं का अन्नप्राशन कराया गया और नवप्रवेशित बच्चों का प्रवेश उत्सव भी मनाया गया। मुख्य अतिथि ने मातृ-शिशु स्वास्थ्य, पोषण एवं प्रारंभिक शिक्षा पर प्रकाश डालते हुए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं विभागीय अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की और लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

स्कूल बैग का हुआ वितरण कार्यक्रम

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

प्राथमिक विद्यालय गुर्जरों की ढाणी ग्राम पंचायत बलारां में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को सांखू हनुमान मंदिर ट्रस्ट की ओर से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्कूल बैग का वितरण किया गया।इस अवसर पर वृक्ष मित्र एवं पर्यावरण प्रेमी श्रवण कुमार जाखड़ सेवानिवृत्त उप प्रधानाचार्य सांखू भी उपस्थित रहे। स्कूल बैग पाकर विद्यार्थियों के खुशी से चेहरे खिल उठे। कार्यक्रम के अन्त में प्रधानाध्यापक मांगीलाल गुर्जर ने बालाजी मंदिर ट्रस्ट हनुमानगढ़ सांखू का आभार व्यक्त किया।

सिंघाना से माकड़ो सड़क का नवीनीकरण कार्य जल्द शुरू होगा- विधायक श्रवण कुमार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सिंघाना।

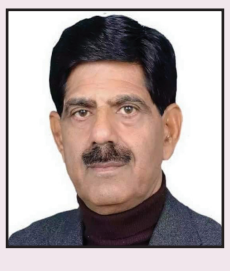

क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग अब पूरी होने जा रही है। सिंघाना से माकड़ो मार्ग का नवीनीकरण कार्य जल्द ही शुरू किया जाएगा। इस कार्य के लिए प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी कर दी गई है। लगभग ?1.5 करोड़ की लागत से 18 फ़ीट चौड़ाई की सड़क का नवीनीकरण कराया जाएगा। नगर कांग्रेस कमेटी सिंघाना अध्यक्ष डी.पी. सैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि सूरजगढ़ विधायक श्रवण कुमार के निरंतर प्रयासों से यह संभव हो पाया है। सड़क की स्थिति लंबे समय से बेहद खराब थी, जिससे आमजन और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। विधायक श्रवण कुमार ने इस मार्ग के नवीनीकरण के लिए लगातार पहल की और सरकार से मंजूरी दिलाई। अब टेंडर प्रक्रिया जल्द ही पूर्ण की जाएगी और अक्टूबर माह में 18 फ़ीट चौड़ाई की सड़क नवीनीकरण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। क्षेत्रवासियों ने विधायक के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सड़क बनने से यातायात सुगम होगा और ग्रामीणों को बड़ी राहत मिलेगी।

पोदार जीपीएस के छात्रों का जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन, जीते 25 से अधिक पदक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नवलगढ़।

कमल किशोर पंवार । दी आनंदीलाल पोदार ट्रस्ट द्वारा संचालित पोदार जीपीएस के विद्यार्थियों ने हाल ही में संपन्न हुई जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में अपना दबदबा कायम रखते हुए 25 से अधिक पदक जीते हैं। 4 सितंबर से 17 सितंबर तक चली इन प्रतियोगिताओं में कई होनहार खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए भी क्वालीफाई कर स्कूल का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता के पहले चरण में पोदार जीपीएस के छात्रों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। शतरंज में अंडर-14 में अमृत ने रजत पदक जीतकर राज्य स्तर के लिए अपनी जगह बनाई। फुटबॉल अंडर-19 में विशाल भट्ट ने कांस्य पदक जीता और उन्हें 'टॉप प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' भी घोषित किया गया। उनका चयन भी राज्य स्तर के लिए हुआ है। बास्केटबॉल अंडर-19 में कृति रुंथला ने राज्य स्तर के लिए क्वालीफाई किया। दूसरे चरण की प्रतियोगिताओं में भी पोदार जीपीएस के छात्रों ने शानदार

सफलता हासिल की। कराटे अंडर-19 में मानवी सोनी ने स्वर्ण पदक जीतकर पहला स्थान प्राप्त किया और राज्य स्तर के लिए चुनी गईं। लड़कों में शौर्य चबरवाल ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि वीराज और शंकर लाल कुमावत ने कांस्य पदक हासिल किए। शंकर लाल कुमावत को 'टॉप प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' भी चुना गया। कराटे अंडर-17 में मयंक ने रजत पदक जीता और राज्य स्तर के लिए चयनित हुए। इसके अलावा, अमोल सोनी, दर्शित बागड़ी, इरशल खान, गर्व तंवर और यशवर्धन जोशी ने भी कांस्य पदक हासिल किए।

शतरंज में भी किया कमाल

शतरंज प्रतियोगिताओं में भी पोदार जीपीएस के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। शतरंज अंडर-17 में आरव शर्मा ने स्वर्ण पदक जीतकर राज्य स्तर पर अपना स्थान पक्का किया। शतरंज अंडर-19 में एक छात्र ने रजत पदक जीता। शतरंज अंडर-17 में कशिश ने रजत पदक के साथ 'टॉप प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का खिताब भी अपने नाम किया और राज्य स्तर के लिए क्वालीफाई किया। इस शानदार उपलब्धि पर, प्राचार्य श्री जीन सीके ने छात्रों के प्रदर्शन पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह परिणाम दर्शाता है कि पोदार जीपीएस केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि खेल के क्षेत्र में भी छात्रों को आगे बढ़ने के समान अवसर देता है। चेयरमैन राजीव के पोदार, ट्रस्टी डॉ. वेदिका पोदार और अधिशासी निदेशक एम.डी. शानभाग ने सभी विजेता छात्रों को उनकी शानदार सफलता के लिए बधाई दी।

गवर्नमेंट गर्ल्स मिडल स्कूल, मनेठी की छात्राओं ने ब्लॉक स्तरीय कल्चर फेस्ट में मचाई धूम

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मनेठी।

गवर्नमेंट गर्ल्स मिडल स्कूल, मनेठी की प्रतिभाशाली छात्राओं ने ब्लॉक स्तर पर आयोजित सांस्कृतिक उत्सव प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में विद्यालय के फोक डांस ग्रुप ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, वहीं स्किट ग्रुप ने तृतीय स्थान हासिल कर अपनी कला और मेहनत का बेहतरीन परिचय

दिया।विद्यालय प्रशासन का कहना है कि यह उपलब्धि छात्राओं की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। मंच पर बेटियों ने न केवल विद्यालय की प्रतिष्ठा बढ़ाई बल्कि अपनी संस्कृति और प्रतिभा को भी गरिमा के साथ प्रस्तुत किया।विद्यालय परिवार ने सभी विजयी छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

नीमराणा में उर्वरक अदानों का निरीक्षण: एसडीएम महेंद्र सिंह यादव ने की कार्रवाई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । आज नीमराणा के अदान विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों पर निरीक्षण किया गया और उर्वक अदान की स्थिति का अवलोकन किया गया। एसडीएम नीमराना महेंद्र सिंह यादव ने कृषि विभाग की नीमराना की प्रभारी कृषि अधिकारी रेनू चौधरी को डीएपी खाद उर्वरक के लिए क्षेत्र की

आवश्यकताओं के अनुसार उर्वरक की आपूर्ति हेतु विभागीय उच्च अधिकारियों को सूचना देने के निर्देश दिए। निरीक्षण दल में कृषि अधिकारी माधुरी कला, डॉक्टर हनुमान प्रसाद, सहायक कृषि अधिकारी श्रीमती अर्चना सिरोहीवाल, सहायक कृषि अधिकारी सलारपुर श्री नरसी लाल यादव, सहायक कृषि अधिकारी गिगलाना श्रीमती विद्या कुमारी डाबरिया, सहायक कृषि अधिकारी मंडन श्री अमन कुमार आदि शामिल थे। इन अधिकारियों ने उर्वरक अदानों का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।एसडीएम महेंद्र सिंह यादव ने उर्वरक आपूर्ति की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उर्वरक की आपूर्ति समय पर और पर्याप्त मात्रा में होनी चाहिए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की समस्या न हो। एसडीएम महेंद्र सिंह यादव ने कहा कि किसानों के हित में उर्वरक आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को उर्वरक अदानों का नियमित निरीक्षण करने और आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

एम. डी. ग्रुप ऑफ एजुकेशन में हुआ मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान समारोह

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

झुंझुनूं रोड़ स्थित एम.डी. ग्रुप ऑफ एजुकेशन द्वारा संचालित एम.डी.सी.एल. फाउंडेशन क्लासेज में नीट व जे. ई.ई. डिवीज़न में संचालित माइनर व मेजर टेस्ट में श्रेष्ठ रैंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस सम्मान समारोह का विधिवत शुभारम्भ एम. डी. ग्रुप ऑफ एजुकेशन के चेयरमैन सुनील कुमार डांगी, मैनेजिंग डायरेक्टर समित डांगी व मैनेजमेंट सदस्यों ने किया। इस अवसर पर जे.ई.ई. डिवीजन युरेका में टॉप रैंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों जतिन सैनी पुत्र ग्यारसी लाल सैनी, तनीष अग्रवाल पुत्र संजय अग्रवाल , अरुण पुत्र अनिल कुमार ,प्रिया सैनी

पुत्री कृष्ण कुमार , ऋषभ स्वामी पुत्र राजेश स्वामी, मयंक यादव पुत्र उमेद सिंह तथा नीट डिवीजन लाइफ लाइन में रोहित नारनोलिया पुत्र बसंत लाल, निखिल पुत्र सुरेंद्र सिंह, खुशी पुत्री कृष्ण कुमार, स्नेहा डांगी पुत्री मनोज कुमार डांगी तथा नीट डिवीजन संजीवनी से राशि नेहरा पुत्री बलबीर सिंह , लक्षिता पुत्री संजय अग्रवाल , साहिला पुत्री नबील खान, इशांत सैनी पुत्र रामविलास सैनी , पीयूष शर्मा पुत्र राजेश कुमार शर्मा आदि प्रमुख है । इन विद्यार्थियों को गोल्ड , सिल्वर व ब्रोंज मैडल देकर सम्मानित किया गया । इस अवसर पर एम डी ग्रुप ऑफ एजुकेशन के चैयरमेन सुनील कुमार डांगी ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना प्रकट करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ - साथ संस्कार , संस्कृति व नैतिक - मूल्यों के प्रति भी जागरुक होना चाहिए। एम.डी ग्रुप ऑफ एजुकेशन राजस्थान में अपनी श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम देने की परंपरा के रूप मे जाना जाता है । इस तरह के सम्मान समारोह से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास , लक्ष्य के प्रति दृढ - संकल्पिता व बौद्धिकता के साथ साथ प्रतिस्पर्धा की भावना का भी विकास होता है। इस अवसर पर एम डी ग्रुप ऑफ एजुकेशन के समस्त सदस्य उपस्थित रहें ।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, निमोठ में आयोजित हुआ मेधावी छात्र प्रोत्साहन पुरस्कार समारोह

भीम प्रज्ञा न्यूज़.निमोठ।

सेना शिक्षा कोर के पूर्व सूबेदार चंदन सिंह की दसवीं पुण्यतिथि पर उनके परिवार द्वारा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, निमोठ में मेधावी छात्र प्रोत्साहन पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की कक्षा पहली से बारहवीं तक के प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि जाने-माने शिक्षक एवं केमिस्ट्री लेक्चरर हेमंत शेखावत रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्राचार्या दीपिका यादव ने की। प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्ता एवं जन अधिकारों की लड़ाई लड़ने वाले एडवोकेट कॉमरेड राजेन्द्र सिंह और गांव के सरपंच रामस्वरूप की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई।स्मृति समिति के संयोजक कॉमरेड सत्यवान ने सूबेदार चंदन सिंह के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने सेना शिक्षा कोर में रहकर देश सेवा की और सेवानिवृत्ति के बाद भी समाजसेवा व शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय रहे। उन्होंने लड़कियों की शिक्षा को हमेशा प्राथमिकता दी और नैतिकता व मानवीय मूल्यों को जीवन का आधार माना। इस अवसर पर उन्होंने नवजागरण काल के महान साहित्यकार बाबू बालमुकुंद गुप्त को भी श्रद्धांजलि दी। मुख्य अतिथि हेमंत शेखावत ने विद्यार्थियों को अपने माता-पिता को पत्र लिखने का आह्वान करते हुए कहा कि इस माध्यम से वे अपने सपनों और लक्ष्यों को साझा कर सकेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया कि प्रत्येक बच्चे में विशेष प्रतिभा छुपी होती है, जिसे पहचानने और तराशने की आवश्यकता है। इस अवसर पर बीएसएफ से सेवानिवृत्त डिप्टी कमांडेन्ट संतोष यादव ने अपने पिता स्वर्गीय सूबेदार महेन्द्र सिंह की स्मृति में कक्षा 10वीं और 12वीं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को रू2500-रू2500 की प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में विद्यालय के अध्यापकों, अभिभावकों, महिलाओं और बड़ी संख्या में ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी रही। इस आयोजन ने शिक्षा को प्रोत्साहन देने और विद्यार्थियों को प्रेरित करने की एक नई मिसाल कायम की।

बीकानेर में आयुष्मान हार्ट हॉस्पिटल के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन, इलाज के नाम पर लूट का आरोप

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । बीकानेर के आयुष्मान हार्ट हॉस्पिटल के खिलाफ कांग्रेस प्रदेश सचिव रामनिवास कूकणा के नेतृत्व में आज हजारों लोगों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि अस्पताल में मरीजों से इलाज और ऑपरेशन के नाम पर मनमानी फीस वसूली जा रही है। यह धरना आज नौवें दिन भी जारी रहा, जिसमें पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने की मांग की गई। रामनिवास कूकणा ने कहा कि डॉ. बी.एल. स्वामी के इस अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले दूर-दराज के मरीजों से ऑपरेशन के समय लाखों रुपये जमा कराने के लिए दबाव बनाया जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह अस्पताल सरकारी दिशानिर्देशों का पालन नहीं कर रहा है और इसे "मौत का कुआं" बना दिया गया है। कांग्रेस नेता ने राज्य सरकार से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की। प्रदर्शन में एनएसयूआई जिला अध्यक्ष हरिराम गोदारा और पूर्व अध्यक्ष कृष्ण गोपाल गोदारा भी शामिल थे। कृष्ण गोपाल गोदारा ने कहा कि जब तक पीड़ित परिवारों को न्याय नहीं मिलेगा, तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने डॉ. बी.एल. स्वामी पर मरीजों के साथ दुर्व्यवहार का भी आरोप लगाया। हरिराम गोदारा ने बताया कि उनकी टीम पीड़ित परिवारों तक पहुंच रही है और इस लड़ाई को आगे बढ़ाएगी। प्रदर्शनकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि अस्पताल ने एजेंटों का एक नेटवर्क बना रखा है, जो कमीशन के बदले मरीजों को यहां लाते हैं। इस अवसर पर मनीराम कड़वासरा, मोहन मेघवाल, मुकेश मारू, चुन्नीलाल, रतिराम बामनिया सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद थे। प्रदर्शनकारियों ने अस्पताल के सामने जोरदार नारेबाजी की और सरकार से इस अस्पताल के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आग्रह किया ताकि मरीजों को उचित और किफायती इलाज मिल सके।

नीमराना होटल्स क्रिकेट प्रतियोगिता में पटियाला ग्वालियर रॉयल सुपर किंग्स ने जीता खिताब

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । नीमराना होटल्स की ओर से जापानी जोन स्थित नीट यूनिवर्सिटी मैदान पर तीन दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का सफल आयोजन गुरुवार को किया गया। गुरुवार को खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले में बरादरी पटियाला ग्वालियर रॉयल सुपर किंग्स ने तिजारा फोर्ट टीम को 79 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया। यह प्रतियोगिता नीमराना होटल्स के निदेशक अमन नाथ के द्वारा आयोजित कराई गई। फाइनल में रॉयल सुपर किंग्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 15 ओवर में 8 विकेट खोकर 153 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए तिजारा फोर्ट की टीम 74 रन पर ऑल आउट हो गई। विजेता टीम के कप्तान संतोष सिंह को ट्रॉफी प्रदान की गई। वहीं, मैन ऑफ द मैच बिट्टू और मैन ऑफ द सीरीज रोहन (बरादरी प्लेस देवबास ग्वालियर) रहे। इस प्रतियोगिता में तिजारा फोर्ट पैलेस, केसरोली फोर्ट पैलेस, नीमराना फोर्ट पैलेस, नीमराना ग्लास हाउस ऋषिकेश, हेड ऑफिस दिल्ली समेत विभिन्न टीमों ने भाग लिया। नीमराना होटल्स के निदेशक अमन नाथ और सीईओ सोनवीं केकर ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य खेल और मनोरंजन को व्यवसायिक गतिविधियों के साथ जोड़ना है। यह प्रतियोगिता पिछले 4 साल से आयोजित हो रही है। फाइनल मैच के अंपायर मानवेंद्र सिंह शेखावत और प्रमोद बिष्ट रहे। कार्यक्रम में कॉरपोरेट एचआर हेड अर्जुन सिंह, चीफ इंजीनियर ओमप्रकाश सिंह, नीमराना फोर्ट प्लेस नीमराना मैनेजर मानवेंद्र शेखावत, नीमराना फोर्ट प्लेस नीमराना मैनेजर सुरक्षा प्रबंधन हरबीर सिंह, सुशांत कुमार दास, स्कोरर विकास कुमार, गगन थापा, रवि भडाना, हिमांशु सोनी, भुवनेश दत्त सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

खाटूश्याम के भक्तों को बड़ी सौगातः मंडावर से वाया महवा खाटूधाम तक रोडवेज बस सेवा हुई शुरू

विधायक राजेन्द्र मीना ने किया हरी झंडी दिखाकर किया शुभारंभ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । क्षेत्र के श्याम भक्तों की वर्षों पुरानी मांग गुरुवार को ऐतिहासिक रूप से पूरी हुई, जब मंडावर से वाया महवा खाटूश्याम जी के लिए राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की सीधी बस सेवा का शुभारंभ किया गया। गांधी चौक मंडावर पर आयोजित भव्य समारोह में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पंडित अनुज पाराशर ने बस की पूजा-अर्चना की, जिसके बाद विधायक राजेन्द्र मीना ने हरी झंडी दिखाकर इसे रवाना किया। शुभारंभ को और खास बनाते हुए विधायक राजेन्द्र मीना स्वयं बस में सवार हुए और निगम के मुख्य प्रबंधक विश्राम मीना, अन्य अधिकारियों, भाजपा कार्यकर्ताओं व श्याम भक्तों के साथ महवा तक यात्रा कर आमजन के साथ इस बहुप्रतीक्षित सेवा की शुरुआत का साक्षी बने। महवा पहुँचने पर भारी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने विधायक राजेन्द्र मीना व निगम अधिकारियों का बैण्ड-बाजे के साथ भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर चुनरी, माला और साफा पहनाकर उनका अभिनंदन किया गया और मुँह मीठा कराते हुए खुशी का इज़हार किया गया। विधायक मीना ने बताया कि हाल ही में उनके जन्मदिवस पर क्षेत्र के श्याम भक्तों ने मंडावर से खाटूश्याम जी तक सीधी बस सेवा शुरू करने की मांग रखी थी। जनता की भावनाओं को सम्मान देते हुए उन्होंने उसी समय निगम के दौसा डिपो के मुख्य प्रबंधक विश्राम मीना से फोन पर वार्ता की और शीघ्र बस संचालन के निर्देश दिए। नतीजतन, महज एक दिन में ही बस सेवा शुरू कर दी गई, जिससे मंडावर व आसपास के हजारों श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिली। यह बस प्रतिदिन प्रातः मंडावर से रवाना होकर महवा होते हुए सीधे खाटूश्याम जी जाएगी और फिर वहीं से वापसी करेगी। शुभारंभ कार्यक्रम में दौसा डिपो के मुख्य प्रबंधक विश्राम मीना, मंडावर के उपखंड अधिकारी अमित वर्मा, महवा केंद्रीय बस स्टैंड प्रभारी हितेश जोशी, भाजपा मंडल अध्यक्ष कुलदीप सिंह, उपाध्यक्ष सोनू वशिष्ठ, सरपंच संघ अध्यक्ष लल्लू सरपंच, रींदली सरपंच नेमीचंद पहाड़िया, राजेश शर्मा,अजय झालानी, चंद्रकांत सैन, उमाशंकर टाल वाले,कृष्णमोहन शर्मा समेत अनेक क्षेत्रीय खाटूश्याम सेवा संगठनों के प्रतिनिधि, भाजपा कार्यकर्ता व बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे। इस बस सेवा की शुरुआत से मंडावर, महवा व आसपास के क्षेत्रों के श्रद्धालुओं को अब खाटूश्याम जी के दर्शनों के लिए सुरक्षित, सीधी और सुविधाजनक यात्रा का लाभ मिलेगा। विधायक राजेन्द्र मीना ने इस क्षण को क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह पहल न केवल श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि क्षेत्रीय विकास और धार्मिक पर्यटन को नई दिशा देने वाली है। उन्होंने इसे सरकार और निगम की संवेदनशीलता का प्रतीक बताया।

बीकानेर धोबी समाज के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर धोबी।

समाज के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री आवास पर राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री से मुलाकात की। इस दौरान राज्य स्तरीय बैठक में समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने बीकानेर में समाज के लिए भवन और छात्रावास के निर्माण के लिए भूमि आवंटन की मांग को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में राज्य सरकार के नियमों के अनुसार भूमि आवंटन की प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह किया गया। इस मौके पर बीकानेर रजक (धोबी) समाज के अध्यक्ष महेश सांखला (मनोज) और बीकानेर संगठन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिलीप कुमार देवड़ा भी मौजूद थे। राज्य स्तरीय बैठक में रजक समाज बोर्ड के गठन और जयपुर में छात्रावास के लिए भूमि आवंटन जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री महोदय ने राजस्थान के विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधियों से व्यक्तिगत रूप से परिचय लिया और समाज की विभिन्न समस्याओं को गंभीरता से सुना।

मांडण सीएचसी में मेडिकल रिलीफ सोसाइटी बैठक की अध्यक्षता की एसडीएम महेंद्र यादव ने

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । गुरुवार को उपखंड अधिकारी महेंद्र यादव ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मांडण में आयोजित मेडिकल रिलीफ सोसाइटी की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में संस्था के बेहतर संचालन और दैनिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु विभिन्न प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई। इस अवसर पर खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेश कुमार यादव, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रतिभा यादव सहित संस्थान के समस्त अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। सभी ने मिलकर संस्था के कार्यों और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की। बैठक का उद्देश्य मेडिकल रिलीफ सोसाइटी के कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाना और आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना था। एसडीएम महेंद्र यादव ने संस्था के कार्यों की सराहना की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसडीएम महेंद्र यादव ने कहा कि मेडिकल रिलीफ सोसाइटी के कार्यों को और अधिक मजबूत करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे संस्था के कार्यों की नियमित निगरानी करें और आवश्यक कार्रवाई करें।

कार्यालय ग्राम पंचायत डुमोली खुर्द पंचायत समिति सिंघाना (झुन्झुनू)

क्रमाकः- 25-28 दिनांकः-18-9-2025

ई-निविदा सूचना संख्या-01

ग्राम पंचायत डुमोली खुर्द पंचायत समिति सिंघाना कार्य को सम्पादित करने हेतु राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के विभागो में पंजीकृत एवं अधिकृत सक्षम श्रेणी के ठेकेदारो से ई संकर्म निविदाएँ (Work Tender) आमन्त्रित की जाती है। कार्य का विवरण ग्राम पंचायत डुमोली खुर्द के कार्यालय एवं http://eproc.rajasthan.gov.in http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

कार्य का नाम	NIB No.	UBN No.
शहीद बिड़दाराम रा.उ.मा.विद्यालय डुमोली खुर्द के खेल मैदान में स्टेडियम निर्माण कार्य	ZJ2526 A0466	ZJU2526 WS0B00839

सरपंच
ग्राम पंचायत डुमोली खुर्द

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत डुमोली खुर्द

लक्ष्य तय कर निरंतर मेहनत से ही मिलती है सफलता- जिला संस्कार केन्द्र प्रमुख शर्मा

महाराणा प्रताप सरस्वती संस्कार केन्द्र का वार्षिकोत्सव, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बिखेरा रंग।

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सिकंदरा।

बालाजी संकुल स्थित उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर में शुक्रवार को जिला संस्कार केन्द्र प्रमुख राकेश कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों को जीवन में लक्ष्य निर्धारण और सफलता के सूत्र बताए। उन्होंने कहा कि हर विद्यार्थी को सबसे पहले अपने जीवन का स्पष्ट लक्ष्य तय करना चाहिए और उस लक्ष्य को हासिल करने के लिए दृढ़ निश्चय के साथ निरंतर मेहनत करनी होगी। व्यवस्थित दिनचर्या, समय प्रबंधन और अनुशासन ही सफलता की कुंजी हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में कोई भी सपना असंभव नहीं है, बशर्ते उसके पीछे ईमानदारी और निरंतर प्रयास किए जाएं। इसके बाद खाती मोहल्ले स्थित वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप सरस्वती संस्कार केन्द्र में वार्षिकोत्सव का आयोजन धूमधाम से हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और मां सरस्वती की वंदना के साथ हुआ। संस्कार केन्द्र के विद्यार्थियों ने देशभक्ति, संस्कृति और सामाजिक सरोकारों पर आधारित मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में बच्चों की प्रस्तुतियों के जरिए जहां भारतीय संस्कृति और परंपराओं की झलक देखने को मिली, वहीं उनकी प्रतिभा और आत्मविश्वास ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित कर पुरस्कृत किया गया। इसके उपरांत सभी उपस्थितजन के बीच प्रसाद स्वरूप मिठाई का वितरण किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य राकेश कुमार गुर्जर, केन्द्र संचालिका मीना शर्मा सहित सभी आचार्य व आचार्याएं मौजूद रहे। समापन सत्र में संस्कार केन्द्र की ओर से शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों और संस्कारों के प्रसार की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की गई। इस अवसर पर यह संकल्प लिया गया कि क्षेत्र के प्रत्येक बच्चे तक शिक्षा और संस्कार का प्रकाश पहुंचेगा, ताकि समाज में जागरूकता, सेवा भाव और राष्ट्रप्रेम की मजबूत नींव स्थापित हो सके।

लक्ष्य केंद्रित कर आगे बढ़े युवा - डॉ. अंशु प्रिया

उपखंड अधिकारी ने किया स्काउट शिविर विजिट

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड राज्य मुख्यालय जयपुर के तत्वावधान में आयोजित राज्य स्तरीय राष्ट्रपति अवार्ड रोवर रेंजर प्रशिक्षण शिविर के चतुर्थ दिवस उपखंड अधिकारी एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी डॉ. अंशु प्रिया ने स्काउट गाइड को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने बताया कि उपखंड अधिकारी के आगमन पर रेंजर्स ने बधावा एवं तिलक से उपखंड अधिकारी का स्वागत किया। इस दौरान मुख्य अतिथि को गॉर्ड ऑफ ऑनर प्रस्तुत कर उन्हें सलामी दी गई। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी को स्काउट गाइड संगठन द्वारा किए जा रहे रचनात्मक कार्यों की जानकारी देते हुए शिविर संचालक एवं सहायक राज्य संगठन आयुक्त अजमेर संभाग विनोद दत्त जोशी ने शिविर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया एवं यहां किया जा रहे कार्यों व प्रशिक्षण की जानकारी से अवगत करवाया। रेंजर पम्मी शर्मा ने शिविर अनुभव शेयर करते हुए कहा कि स्काउट गाइड के माध्यम से राष्ट्रपति अवार्ड का सपना पूरा करने जा रहे हैं और उन्होंने माउंट आबू की ग्रीनरी एवं पर्वतीय क्षेत्र की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह आकर मन को शकुन मिलता है। इस दौरान रेंजर्स ने स्वागत नृत्य एवं स्वागत गीत प्रस्तुत कर भारत की विविधता में एकता की कहावत को चरितार्थ किया। मुख्य अतिथि पद से संबोधित करते हुए उपखंड अधिकारी डॉ. अंशु प्रिया ने कहा कि रोवर्स रेंजर्स राष्ट्र के लिए सुयोग्य नागरिक बनकर राष्ट्र सेवा को समर्पित होंगे और उन्हें अपने जीवन में लक्ष्य को केंद्रित कर आगे बढ़ना चाहिए ताकि वह अच्छे पदों पर आसीन होकर देश में समाज सेवा कर सकें । डॉ. अंशु प्रिया ने कहा कि वह सौभाग्यशाली है कि उन्हें माउंट आबू जैसा कार्यक्षेत्र मिला। यहां वह आमजन की समस्याओं का समाधान, प्रशासनिक कार्यों को तत्परता से करते हुए अपने कर्तव्य का निर्वाहन ईमानदारी के साथ कर रही है। उपखण्ड अधिकारी ने उपस्थित छात्राओं से आह्वान किया कि उन्हें निरंतर आगे बढ़ते हुए अपने परिवार समाज एवं देश का नाम रोशन करना है। सी.ओ. स्काउट आबू पर्वत जितेंद्र भाटी ने आभार प्रकट किया तथा इस अवसर पर झुंझुनूं सी. ओ. स्काउट महेश कालावत, सहायक लीडर ट्रेनर विजय कुमार, रोवर लीडर विक्की कुमार, सहायक लीडर ट्रेनर सावित्री, सी. ओ. गाइड धौलपुर सीमा रिजवी, भीलवाड़ा के रोवर लीडर राकेश कीर,असिस्टेंट प्रोफेसर लक्ष्मी चौधरी सहित राजस्थान प्रदेश के 160 से अधिक रोवर्स रेंजर्स उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने किया। शिविर में झुंझुनू जिले से तीन रेंजर एवं पांच रोवर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं तथा तीन सदस्य संचालक दल अपनी उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय सेवाएं दे रहा है।

69वीं जिला जूडो प्रतियोगिता में उरीका बना चैंपियन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सूरजगढ़।

14 से 17 सितंबर तक गुढ़ागौड़ जी में आयोजित 69वी जिला स्तरीय विद्यालय 14 वर्षीय जूडो प्रतियोगिता में उरीका के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 5 स्वर्ण पदक, 2 रजत पदक व 6 कांस्य पदक जीतकर चैंपियनशिप अपने नाम करी। विद्यालय के शारीरिक शिक्षक व कोच राहुल नायक ने बताया कि प्रतियोगिता में गौतम ,अनुज, नमन, सुमंगल, और पूजा ने स्वर्ण पदक व यश और नेहा ने रजत पदक जबकि सिमरन, तमन्ना, करीना ,सोनाक्षी ,प्रवीण, चांद ने अपने-अपने भार वर्ग में कांस्य पदक जीते। इसके साथ ही पांच खिलाड़ियों का चयन उदयपुर में होने वाली राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता के लिए हुआ जो कि आगामी 30 सितंबर से 6 अक्टूबर तक उदयपुर में झुंझुनू जिले की टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे विद्यालय पहुंचने पर प्रधानाचार्य विनोद कुमार जांगिड़ ,सरपंच प्रतिनिधि बलबीर सिंह व पूर्व सरपंच वेदपाल ने खिलाड़ियों व कोच का स्वागत व सम्मान करा इस दौरान उप सरपंच अशोक कुमार शर्मा ,ईश्वर सिंह ,जगदीश प्रसाद, कृष्ण कुमार, सूरजभान, देवेंद्र सिंह ,बलवान सिंह ,अस्मत खान, असरदिन, इंद्रसिंह, लाल सिंह व समस्त विद्यालय स्टाफ ने खिलाड़ियों को बधाई व आगामी प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी।

शहीद विद्याधर स्कूल अजाड़ी खुर्द में भामाशाहों ने बांटे टाई-बेल्ट

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

शहीद विद्याधर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, अजाड़ी खुर्द में गुरुवार को एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में स्थानीय भामाशाह दलीपसिंह (पुत्र ओमसिंह शेखावत) और अनिल सिंह (पुत्र लक्ष्मण सिंह शेखावत) ने विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं को टाई और बेल्ट वितरित किए। इस आयोजन में कुल 150 टाई-बेल्ट बांटे गए, जिससे विद्यार्थियों में खुशी की लहर दौड़ गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था प्रधान प्रदीप चौधरी ने की। इस अवसर पर अनिल सिंह, दलीपसिंह, मूलचंद झाझड़िया, आबरमल मीणा, इंद्रराज सिंह, मोटाराम, धर्मपाल सेन, सुरेंद्र मीणा, विद्यालय के स्टाफ सदस्य और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। संस्था प्रधान प्रदीप चौधरी ने भामाशाहों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे दानशील प्रयासों से विद्यार्थियों को प्रोत्साहन मिलता है और वे बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर होते हैं। उन्होंने भामाशाहों के इस सहयोग की सराहना करते हुए इसे शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान बताया।

वाह बधाइयां!

वरुण चक्रवर्ती बने आईसीसी टी-20 रैंकिंग में नंबर वन

ऑपरेशन सिंदूर का मजाक बनाने वाले का किया था शिकार

दुबई, एजेंसी। भारतीय टीम जहां एशिया कप 2025 में सीना ताने आगे बढ़ रही है और यूएई के बाद पाकिस्तान को घुटने टेकने के लिए मजबूर किया तो दूसरी ओर, उसके मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को रिटर्न गिफ्ट मिल गया है। पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर का मजाक उड़ाने वाले फहीम अशरफ का शिकार बरने वाला भारतीय गेंदबाज आईसीसी रैंकिंग में नंबर वन गेंदबाज बन गया है। उन्होंने न्यूजीलैंड के जैकब डफी को पीछे छोड़ा है। लिस्ट में टॉप-10 गेंदबाजों में भारत के रवि बिश्नोई भी हैं, जो 8वें नंबर पर हैं। लेटेस्ट रैंकिंग के अनुसार, कोलकाता नाइटराइडर्स के गेंदबाज के पास 733 रेटिंग पॉइंट है और वह पहली बार नंबर वन गेंदबाज बने हैं। दूसरे नंबर पर काबिज जैकब डफी के 717 रेटिंग पॉइंट हैं। वेस्टइंडीज के तीसरे नंबर वन अकील हुसैन, जबकि चौथे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के एडम जंपा हैं। इंग्लैंड के स्पिनर आदिल राशिद 5वें नंबर पर हैं और श्रीलंकाई नुवान तुषारा छठे नंबर पर हैं। लिस्ट में आखिरी नंबर यानी 10वें नंबर पर अफगानिस्तान के करिश्माई स्पिनर राशिद खान हैं। आईसीसी टी20 इंटरनेशनल बॉलिंग रैंकिंग की टॉप-10 लिस्ट में कोई भी पाकिस्तानी गेंदबाज नहीं है। सुफियान मुकीम का नंबर 11वां है, जबकि भारत के अक्षर पटेल 12वें नंबर पर हैं। इस बीच भारतीय टीम को एशिया कप के आखिरी लीग मैच में 19 सितंबर को ओमान से भिड़ना है।

पुरुषों की आईसीसी टी20 इंटरनेशनल बॉलिंग रैंकिंग

रैंक	खिलाड़ी	टीम	रेटिंग पॉइंट	करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग
1	वरुण चक्रवर्ती	भारत	733	733 बनाम पाकिस्तान, दुबई 2025
2	जैकब डफी	न्यूजीलैंड	717	750 बनाम दक्षिण अफ्रीका, हरारे 2025
3	अकील हुसैन	वेस्टइंडीज	707	714 बनाम बांग्लादेश, सेंट विंसेंट 2024
4	एडम जम्पा	ऑस्ट्रेलिया	700	746 बनाम श्रीलंका, सिडनी 2022
5	आदिल राशिद	इंग्लैंड	696	747 बनाम वेस्टइंडीज, बारबाडोस 2022
6	नुवान तुषारा	श्रीलंका	677	689 बनाम बांग्लादेश, अबू धाबी 2025
7	वानिंदु हसरंगा	श्रीलंका	664	809 बनाम वेस्ट इंडीज, अबू धाबी 2021
8	रवि बिश्नोई	भारत	661	707 बनाम ऑस्ट्रेलिया, बेंगलुरु 2023
9	नाथन एलिस	ऑस्ट्रेलिया	658	664 बनाम वेस्टइंडीज, सेंट किट्स 2025
10	राशिद खान	अफगानिस्तान	657	828 बनाम बांग्लादेश, देहरादून 2018

China Masters:

सात्विक और चिराग चाइना मास्टर्स के अंतिम 16 में

लक्ष्य हारकर टूर्नामेंट से बाहर

शेनजेन, एजेंसी। हॉन्गकॉन्ग ओपन फाइनल में हारने वाले लक्ष्य टोमा जूनियर पोपोव से 30 मिनट तक चले मुकाबले में 11-21, 10-21 से हार गए। सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी चाइना मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई, जबकि लक्ष्य सेन पहले दौर में हारकर बाहर हो गए। पिछले सप्ताह हॉन्गकॉन्ग ओपन में उपविजेता रहे सात्विक और चिराग ने मलेशिया के जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप को 42 मिनट में 24-22, 21-13 से हराया। वहीं, हॉन्गकॉन्ग ओपन फाइनल में हारने वाले लक्ष्य टोमा जूनियर पोपोव से 30 मिनट तक चले मुकाबले में 11-21, 10-21 से हार गए। इसके साथ ही पुरूष एकल वर्ग में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई चूंकि आयुष शेट्टी पहले ही दौर में हार गए थे। ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी मिश्रित युगल में दूसरी वरीयता प्राप्त चीन के फेंग यान झे और हुआंग डोंग पिंग से 19-21, 13-21 से हार गई। महिला एकल में पी वी सिंधू प्री क्वार्टर फाइनल में छठी वरीयता प्राप्त थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग से खेलेंगी।

यूईएफए सीएल:

कार्वाजाल की इस शर्मनाक हरकत के बावजूद मार्सिले के खिलाफ जीता रियल मैड्रिड

किलियन एम्बाप्पे बने हीरो

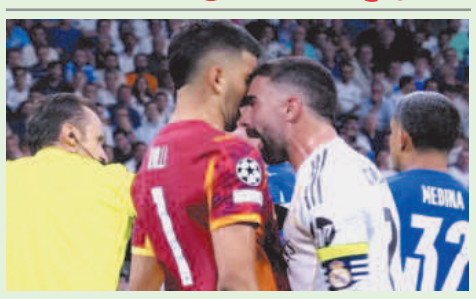

मैड्रिड, एजेंसी। मैच में किलियन एम्बाप्पे ने दो गोल दागे और 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे रियल मैड्रिड ने मार्सिले को 2-1 से हराया। चैंपियंस लीग के एक रोमांचक मैच में रियल मैड्रिड के अनुभवी डिफेंडर दानी कार्वाजल को मार्सिले के गोलकीपर गेरोनिमो रूली को सिर से टक्कर मारने के बाद लाल कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर भेज दिया गया।

कार्वाजाल को मिला रेड कार्ड

मैच के दौरान, मैड्रिड की कॉर्नर किक से पहले कार्वाजल और रूली के बीच बहस हो रही थी। तभी कार्वाजल गोलकीपर के पास गए और उनके चेहरे पर सिर दे मारा। रेफरी ने यह घटना मौके पर नहीं देखी, लेकिन मार्सिले के खिलाड़ियों ने तुरंत आपत्ति दर्ज कराई। वीडियो रिव्यू के बाद, रेफरी ने 72वें मिनट में कार्वाजल को लाल कार्ड दिखाया। उस समय कार्वाजल ने चोटिल ट्रेंट अलेक्जेंडर-अर्नोल्ड की जगह पांचवें मिनट में मैच में प्रवेश किया था। घटना के समय स्कोर 1-1 था।

एम्बाप्पे के दो गोल से मैड्रिड जीता

मैच में किलियन एम्बाप्पे ने दो गोल दागे और 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे रियल मैड्रिड ने मार्सिले को 2-1 से हराया। मार्सिले की ओर से टिमोथी वीह ने शुरुआती बढ़त दिलाई थी, लेकिन एम्बाप्पे ने 29वें और 81वें मिनट में पेनल्टी गोल कर टीम को जीत दिलाई। इस जीत के साथ, रियल मैड्रिड 15 बार के चैंपियन के रूप में 1990 के दशक में प्रतियोगिता को फिर से शुरू करने के बाद 200 जीत तक पहुंचने वाली पहली टीम बन गई। एमबाप्पे ने अब 64 मैचों में 50 गोल कर लिए हैं।

एशिया कप:

बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को 8 रन से हराया

अबू धाबी, एजेंसी। एशिया कप 2025 में मंगलवार को अबू धाबी के शेख जायद क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को 8 रन से हराकर टूर्नामेंट में खुद को जिंदा रखा है।

अफगानिस्तान को जीत के लिए 155 रन का लक्ष्य मिला था। अफगान टीम 20 ओवर में 146 रन पर सिमट गई और 8 रन से मैच हार गई। अफगानिस्तान के टॉप ऑर्डर के बल्लेबाज सेदिकुल्लाह अटल शून्य और इब्राहिम जादरान 5 रन बनाकर आउट हुए। दोनों की असफलता अफगानिस्तान टीम की हार का कारण बनी। विकेटकीपर बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज 35 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। अजमतुल्लाह उमरजई ने 30 और कप्तान राशिद खान ने 20 रन बनाए। शेष कोई भी बल्लेबाज बांग्लादेश के गेंदबाजों का सामना नहीं कर सका। बांग्लादेश के लिए अनुभवी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान ने बेहतरीन गेंदबाजी की और 4 ओवर में 28 रन देकर 3 विकेट लिए। नासुम अहमद, तस्कीन अहमद और रिशाद हुसैन ने 2-2 विकेट लिए।

इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश ने 5 विकेट पर 154 रन बनाए थे। सलामी बल्लेबाजों सैफ हसन और तंजीद हसन ने मजबूत शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 6.4 ओवर में 63 रन जोड़े। सैफ हसन 28 गेंद पर 30 रन बनाकर आउट हुए। तंजीद हसन ने 31 गेंद पर 3 छक्के और 4 चौके की मदद से 52 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान लिटन दास 11 गेंद पर 9, शमीम हुसैन 11 गेंद पर 11 और तौहीद हृदोय 20 गेंद पर 26 रन बनाकर आउट हुए। जाकेर अली और नुरूल हसन ने नाबाद 12-12 रन बनाए। अफगानिस्तान के लिए कप्तान राशिद खान ने शानदार गेंदबाजी की और 4 ओवर में 26 रन देकर 2 विकेट लिए। नूर अहमद ने भी 4 ओवर में 23 रन देकर 2 विकेट लिए। उमजई ने 1 विकेट लिए।

सीपीएल 2025:

3 चौके और 8 छक्के...

सीपीएल में आया निकोलस पूरन का तूफान, नाइट राइडर्स ने एलिमिनेटर जीता

गुयाना, एजेंसी। त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने कैरेबियन प्रीमियर लीग 2025 के क्वालीफायर-2 मुकाबले में अपनी जगह बना ली है। इस टीम ने बुधवार को एलिमिनेटर मैच में एंटीगुआ एंड बारबुडा फाल्कंस के खिलाफ 9 विकेट से शानदार जीत दर्ज की। मुकाबले में टॉस हारकर बल्लेबाजी के लिए उतरी एंटीगुआ एंड बारबुडा फाल्कंस ने 8 विकेट खोकर 166 रन बनाए। आमिर जांगू और रहकीम कॉर्नवाल के बीच पहले विकेट के लिए 21 रन की साझेदारी हुई। कॉर्नवाल महज 6 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद आमिर जांगू ने एंड्रीस गौस के साथ दूसरे विकेट के लिए 108 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूती दी। आमिर 49 गेंदों में तीन छक्कों और इतने ही चौकों की मदद से 55 रन बनाकर आउट हुए। टीम के लिए एंड्रीस गौस ने 45 गेंदों में सर्वाधिक 61 रन बनाए। उनकी इस पारी में 3 छक्के और 5 चौके शामिल थे, जबकि शाकिब ने 9 गेंदों में नाबाद 26 रन की पारी खेली। विपक्षी खेमे से सौरभ नेत्रवलकर ने सर्वाधिक 3 शिकार किए, जबकि उस्मान तारिक और आंद्रे रसेल को 2-2 सफलताएं हाथ लगीं।

पाकिस्तान ने एशिया कप के बहिष्कार की धमकी वापिस ली, पाइक्रॉफ्ट मामले में आईसीसी से फिर लगाई गुहार

दुबई, एजेंसी। पाकिस्तान ने एशिया कप के बहिष्कार की धमकी वापिस ले ली है लेकिन मैच रैफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट को लेकर उसका ऐतराज बरकरार है और पीसीबी ने टीम के बाकी मैचों में जिम्बाब्वे के इस मैच रैफरी की जगह रिची रिचर्डसन को जिम्मेदारी देने की मांग की है। समझा जाता है कि मंगलवार की देर शाम पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी को एक और ईमेल लिखकर पाइक्रॉफ्ट को उसके सारे मैचों से हटाने की मांग की है जिसे अभी तक आईसीसी ने माना नहीं है। पाइक्रॉफ्ट को पाकिस्तान और यूएई के बीच आज शाम को होने वाले मैच में भी रैफरिंग करनी है। विवाद की शुरूआत तब हुई जब कप्तान सूर्यकुमार यादव समेत भारतीय टीम ने रविवार को मैच के बाद पाकिस्तानी टीम से हाथ नहीं मिलाया। इसके बाद पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा मैच के बाद पुरस्कार समारोह में नहीं आए। पीसीबी ने इस विवाद के लिए पाइक्रॉफ्ट को दोषी ठहराते हुए कहा कि उन्होंने सलमान से कहा कि सूर्यकुमार से हाथ नहीं मिलाए और दोनों कप्तानों को टीम शीट का आदान प्रदान भी नहीं करने दिया।

वनडे में संन्यास से वापसी के बाद ग्लेन मैक्सवेल ने खेली धमाकेदार पारी, सिर्फ इतनी गेंदों में ठोका शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के दो बार के वनडे विश्व कप विजेता ग्लेन मैक्सवेल ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में भारत से हार के बाद फिटनेस समस्याओं के कारण वनडे प्रारूप से संन्यास ले लिया था। विक्टोरिया के लिए ऑस्ट्रेलिया के वनडे कप में वापसी करते हुए उन्होंने मार्नस लाबुशेन की क्वींसलैंड टीम के खिलाफ असफल रन चेज में 82 गेंदों में 107 रनों की शानदार पारी खेलकर ब्रिस्बेन के दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। दिलचस्प बात यह है कि विक्टोरिया के लिए अपने 15 साल के करियर में मैक्सवेल का लिस्ट ए (वन-डे) प्रारूप में यह पहला शतक है। 36 वर्षीय मैक्सवेल 311 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए उस समय बल्लेबाजी करने आए जब विक्टोरिया का स्कोर 24 ओवर में 104/5 था। माइकल नेसर ने नई गेंद से खूब धमाल मचाया, मैथ्यू शॉर्ट और मार्कस हैरिस को शून्य पर और हैरी डिक्सन को दहाई के स्कोर पर आउट किया। थॉमस रोजर्स ने 23 रन बनाए जबकि पीटर हैंड्सकॉम्ब 73 गेंदों पर 55 रन बनाकर आउट हुए।

रन चेज में मैक्सवेल का अकेले दम पर प्रयास – 34वें ओवर में विक्टोरिया का स्कोर 164/7 था। मैक्सवेल ने अगले ओवर में दो छक्के लगाकर 37 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने आसानी से बाउंड्री लगाई। जैसे-जैसे स्लॉग ओवर नजदीक आए, उन्होंने तेजी पकड़ी। 43वें ओवर में उन्होंने गुरिंदर संधू पर दो छक्के लगाकर 73 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। 46वें ओवर में मैक्सवेल का धैर्य भी जवाब दे गया क्योंकि आवश्यक रन रेट उनके हाथ से निकल गया। टॉम स्ट्रैकर ने उनका कैच लिया। मैक्सवेल ने 82 गेंदों में 107 रनों की पारी में 8 चौके और 7 छक्के लगाए। विक्टोरिया 46.2 ओवर में 255 रन पर आउट हो गई और 55 रनों से मैच हार गई।

मैक्सवेल एक और वनडे मैच खेलेंगे – मैक्सवेल मौजूदा डीन जोन्स ट्रॉफी 2025 में विक्टोरिया के लिए एक और मैच खेलने के लिए उपलब्ध हैं। विक्टोरिया का अगला मैच 19 सितंबर को तस्मानिया के खिलाफ है। इसके बाद वह 1 अक्टूबर से शुरू होने वाली टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए न्यूजीलैंड रवाना होंगे।

पाकिस्तान ने मोहम्मद यूसुफ का करियर किया था तबाह, डर्टी गेम में शाहिद अफरीदी-शोएब मलिक थे क्राइम पार्टनर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव और पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान पर अपनी बदजुबानी से सुर्खियों में आया पाकिस्तानी क्रिकेटर मोहम्मद यूसुफ का विवादों का लंबा इतिहास रहा है। इतिहास के गर्त में जाएंगे तो पता चलेगा कि यूसुफ पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी और शोएब मलिक के साथ मिलकर टीम में गुटबाजी किया करता था। यही वजह है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने सफल बल्लेबाज होने के बावजूद मोहम्मद यूसुफ का करियर बर्बाद करने से पीछे नहीं हटा। यूसुफ का करियर 35 साल की उम्र में ही खत्म हो गया था।

2010 ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद पाकिस्तान ने यूनिस खान, मोहम्मद यूसुफ, शोएब मलिक, शाहिद अफरीदी को दी थी सजा – दरअसल, 2010 में पाकिस्तान टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई थी। इस दौरे पर यहां से शर्मसार होना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 3-0 से रौंदा था। पाकिस्तान के लिए कप्तानी कर रहे मोहम्मद यूसुफ सहित सभी खिलाड़ियों का प्रदर्शन शर्मनाक था, जिस पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड हरकत में आ गया था। उसने कोचिंग स्टाफ और टीम मैनेजर से इनपुट लेने के बाद यूसुफ पर लाइफ टाइम का बैन लगाया था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने पूर्व कप्तानों यूनिस खान और मोहम्मद यूसुफ पर देश के लिए खेलने पर अनिश्चितकाल के लिए प्रतिबंध लगा दिया था, जबकि शोएब मलिक, राणा नावेद-उल-हसन पर एक साल का प्रतिबंध लगा दिया था।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने जांच के बाद लिया था फैसला – ऑस्ट्रेलिया में मिली हार के बाद जांच समिति की सिफारिशों के अनुसार, अकमल बंधुओं (कामरान और उमर) और शाहिद अफरीदी पर दौरे में अनुशासनहीनता के लिए 20-30 लाख रुपये का जुर्माना लगाने के अलावा 6 महीने के लिए प्रोबेशन पर डाल दिया गया था। इससे दो सबसे अनुभवी बल्लेबाजों यूनिस (32) और यूसुफ (35) के अंतरराष्ट्रीय करियर का करियर लगभग खत्म ही हो गया था। ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान टीम को वनडे में 5-0, टेस्ट में 3-0 और इकलौता टी20 इंटरनेशनल मैच अपने नाम किया था। इस पूरे दौरे पर टेस्ट कप्तान यूसुफ, शाहिद अफरीदी और शोएब मलिक का टीम में व्यवहार सुर्खियों में रहा था।

अगर लिवरपूल में पदक नहीं मिलता तो फिर कोशिश नहीं करती: पूजा रानी

नयी दिल्ली, एजेंसी। अनुभवी मुक्केबाज पूजा रानी ने सोच लिया था कि अगर विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में चौथी बार खेलते हुए वह पदक नहीं जीत पाती तो दोबारा कोशिश नहीं करेंगी । लेकिन भिवानी की 34 वर्षीय इस मुक्केबाज को लिवरपूल में 80 किलो वर्ग में पोडियम पर खड़े होने का मौका मिला। तोक्यो ओलंपिक खेल चुकी पूजा ने कहा, इस बार भी मैने खुद से कहा था कि अगर नहीं जीती तो दोबारा नहीं खेलूंगी।

उन्होंने आगे कहा, मैं हमेशा अपना शत प्रतिशत देती हूं लिहाजा हारने पर दिल टूट जाता है । मैने पिछले चार पांच महीने से कडा अभ्यास किया था और मुझे खुशी है कि मेहनत रंग लाई। मैं मार्च में राष्ट्रीय चैम्पियनशिप से ही अभ्यास कर रही हूं। चार बार एशियाई चैम्पियनशिप में पदक जीत चुकी पूजा सेमीफाइनल में इंग्लैंड की एमिली एस्कीथ से हार गई लेकिन कांस्य पदक जीता। इस पर उन्होंने कहा, मैं बहुत खुश हूं ।

संक्षिप्त समाचार

बीएमडब्ल्यू हादसे पर आरोपी महिला के पति का अलग ही दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली बीएमडब्ल्यू हादसे में, वित्त मंत्रालय के अधिकारी नवजोत सिंह की दर्दनात मौत के बाद, पुलिस ने मुख्य आरोपी महिला गगनप्रीत कौर को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में, उनके पति परीक्षित मक्कड़ का

बयान भी सामने आया है, जो दुर्घटना के समय गाड़ी में मौजूद थे। रविवार को धौला कुआं के पास हुए इस हादसे को लेकर उन्होंने पुलिस के सामने एक अलग ही कहानी पेश की है। अब तक यह बताया जा रहा था कि नवजोत की बाइक और कार की टक्कर के बाद, पति-पत्नी नवजोत और उनकी पत्नी को एक वैन में अस्पताल ले गए थे, जिसका दावा वैन के ड्राइवर ने भी किया था। लेकिन अब गगनप्रीत के पति का कहना है कि उनकी पत्नी पीड़ितों को टैक्सी से अस्पताल ले गई, जबकि परीक्षित खुद पीछे-पीछे एक दूसरी टैक्सी में अस्पताल पहुंचे। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस सूत्रों ने बताया कि परीक्षित ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि दुर्घटना कैसे हुई। उन्होंने दावा किया कि टक्कर के बाद, गगनप्रीत ने उनसे कहा कि वह नवजोत और उनकी पत्नी को टैक्सी से अस्पताल लेकर जा रही है और वह खुद दूसरी टैक्सी से उनके पीछे गए। इसके बाद, गगनप्रीत ने अपने पिता को फोन किया, जो बाद में अस्पताल पहुंचे। रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस अब उनके दावों की जांच कर रही है। इसके लिए, कॉल डिटेल्स और लोकेशन डेटा खंगाले जा रहे हैं।

दिल्ली में ड्रग्स माफिया के खिलाफ पुलिस का बड़ा एक्शन, 12 करोड़ की हेरोइन के साथ 5 गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने नशे के सौदागरों के खिलाफ एक ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए उत्तरी दिल्ली में 12 करोड़ रुपये की हेरोइन जब्त की है। इस ऑपरेशन में पांच कथित ड्रग तस्करों को भी हथकड़ी पहनाई गई है। पुलिस का यह एक्शन नशे के काले कारोबार पर करारा प्रहार माना जा रहा है।

पुलिस ने कैसे बिछाया जाल?

पुलिस को लंबे समय से दिल्ली के बाहरी उत्तरी इलाकों में ड्रग्स की तस्करी की खबरें मिल रही थीं। इसके बाद एक खुफिया ऑपरेशन शुरू किया गया। कई दिनों की मेहनत और निगरानी के बाद पुलिस ने तस्करों के नेटवर्क को धराशायी कर दिया। इस कार्रवाई में 3.1 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई, जिसकी सड़क पर कीमत करीब 12 करोड़ रुपये आंकी गई है।

पांच शातिर तस्कर पकड़े गए

पुलिस ने इस मामले में पांच ऐसे शातिरों को गिरफ्तार किया, जो नशे के इस काले धंधे में लिप्त थे। इनके पास से न केवल भारी मात्रा में हेरोइन मिली, बल्कि तस्करी के तार दिल्ली से बाहर तक जुड़े होने की आशंका भी जताई जा रही है। पुलिस अब इनसे पूछताछ कर रही है ताकि इस नेटवर्क के और राज खुल सकें। यह कार्रवाई दिल्ली पुलिस की उस मुहिम का हिस्सा है, जो राजधानी को नशे के जाल से मुक्त करने के लिए चल रही है। एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने बताया, हमारा लक्ष्य नशे के इस कारोबार को जड़ से उखाड़ना है। यह ऑपरेशन उस दिशा में एक बड़ा कदम है।

दिल्ली में सूरज की तपिश से हाल-बेहाल

मॉनसून की विदाई

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में इन दिनों सूरज अपना प्रकोप दिखा रहा है। दिनभर तेज धूप और रात को उमस लोगों को परेशान कर रही है। मॉनसून की विदाई के साथ ही दिल्ली में गर्मी फिर से बढ़ गई है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले कुछ दिनों तक बारिश का कोई इशारा नहीं, बल्कि धूप और नमी का मेलजोल जारी रहेगा।

मॉनसून की विदाई

आईएमडी के 15 सितंबर के प्रेस रिलीज के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून ने राजस्थान और पंजाब के कुछ हिस्सों से अपनी वापसी शुरू कर दी है और दिल्ली-एनसीआर इसकी चपेट में आ चुका है। मॉनसून अब पूरे उत्तर-पश्चिम भारत से लौट रहा है, जो सामान्य से थोड़ा देर से हो रही है। सितंबर में दिल्ली का औसत वर्षा 123.5 एमएम होती है, लेकिन इस महीने के पहले दो दिनों में ही 53.8 एमएम बारिश हो चुकी थी, जो मॉनसून की ताकत दिखाती है। अब विदाई के बाद, विभाग का अनुमान है कि 1 अक्टूबर तक पूरे देश से मॉनसून पूरी तरह हट जाएगा। दिल्ली में अब हल्की-फुल्की बूंदों की उम्मीद कम है, लेकिन नमी का स्तर ऊंचा रहने से उमस भरी गर्मी सताएगी।

आज धूप और उमस करेगी परेशान- आईएमडी के अनुसार आज दिल्ली का तापमान करीब 29 डिग्री सेल्सियस पर घूम रहा है, जबकि ह्यूमिडिटी 83 फीसदी तक पहुंच गई है। हवा शांत है, सिर्फ 0 किमी/घंटा की स्पीड, जो धूप को और तीखा बना देगी। ह्यष्ट्रकके अन्य इलाकों जैसे गुरुग्राम, फरीदाबाद, गौतम बुद्ध नगर और गाजियाबाद में भी यही हाल - तापमान 29.8 से 32.8 डिग्री के बीच, ह्यूमिडिटी 67-74 फीसदी और हल्की दक्षिण-पूर्वी हवा। यह सब मॉनसून की विदाई की वजह से है, जो अब धूप के साथ मिलकर ह्यूमिड हीट का कॉकटेल बना रहे हैं। आईएमडी के मुताबिक, आज अधिकतम तापमान 34 डिग्री तक छू सकता है, जो सामान्य से 1-2 डिग्री ऊपर है, जबकि न्यूनतम 24 डिग्री के आसपास रहेगा। कल की तुलना में 1.7 डिग्री का इजाफा हो चुका है।

अगले दिनों का पूर्वानुमान

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, 18 सितंबर से 21 सितंबर तक दिल्ली-एनसीआर में बारिश का कोई चांस नहीं है। मौसम पूरी तरह शुष्क रहेगा। आंशिक बादल छाए रहेंगे, लेकिन सूरज का डंका बजेगा। अधिकतम तापमान 33-36 डिग्री के बीच रहेगा, न्यूनतम 24-25 डिग्री। 18 सितंबर को दिल्ली में अधिकतम 34 डिग्री और न्यूनतम 24 डिग्री का अनुमान है, हवा की स्पीड 3-4 किमी/घंटा दक्षिण-पूर्व से। ह्यूमिडिटी 70 फीसदी से ऊपर रहेगी, जो गर्मी को और चुभन भरी बनाएगी। विभाग ने 21 सितंबर तक कोई वॉर्निंग जारी नहीं की है, लेकिन स्काइमेट वेदर जैसे सहायक स्रोतों के आधार पर 17-19 सितंबर के बीच हल्की बूंदाबांदी की थोड़ी गुंजाइश बताई जा रही है।

किस्सा दिल्ली का: 700 साल पुराना बांध सतपुला

जहां बहता था चमत्कारी पानी; दुश्मनों से भी बचाया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की व्यस्त सड़कों और आधुनिक मॉल्स के बीच छिपा है एक ऐसा बांध, जो सदियों पुरानी कहानी बयां कर रहा है। इस बांध को सतपुला कहते हैं। करीब 700 साल पुराना यह बांध, न सिर्फ इतिहास की एक जीवंत गवाही है, बल्कि दिल्ली की पानी प्रबंधन की प्राचीन बुद्धिमत्ता का प्रतीक भी। तुगलक काल में बने इस ढांचे ने सूखे से लड़ाई लड़ी, शहर की रक्षा की और अब आधुनिक समय में पुनर्जीवित होकर पर्यावरण की मिसाल बन रहा है। आज हम इसी सतपुला बांध की रोचक कहानी बता रहे हैं।

सूखे और प्लेग के बीच जन्मा यह बांध- कल्पना कीजिए 14वीं शताब्दी का दिल्ली, जहां सूखा और ब्लैक प्लेग जैसी महामारियां लोगों को त्रस्त कर रही थीं। तुगलक वंश के सुल्तान मुहम्मद बिन तुगलक ने 1340 के आसपास सतपुला का निर्माण करवाया, जो दिल्ली की चौथी शहर जहांपनाह का हिस्सा बना। यह बांध यमुना नदी से जुड़ी एक छोटी धारा को नियंत्रित करने के लिए बनाया गया था, ताकि सिंचाई और पीने का पानी उपलब्ध हो सके। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, इसमें सूफी संत नासिरुद्दीन महमूद की आशीर्वाद वाली शक्ति थी, जो पानी को चमत्कारी गुण देती थी। आज यह साकेत के पास खिड़की गांव में खड़ा है, जहां से दिल्ली की पुरानी चार शहरों - किला राय पिथौरा, सिरी, तुगलकाबाद और जहांपनाह को जोड़ने वाली दीवारों का हिस्सा था।

निर्माण की कारीगरी- सतपुला का नाम ही इसकी संरचना की कहानी बयां करता है - सात पुल या सात मेहराबें, जो पानी के प्रवाह को नियंत्रित करती थीं। यह लगभग 255 फीट चौड़ा ढांचा मोटी पत्थर की दीवारों से बना है, जिसमें तीन मुख्य मेहराबें सबसे चौड़ी हैं और बाकी छह 9 फीट चौड़ी। रस्सी और पुली सिस्टम से चलने वाले लकड़ी के स्लूस गेट्स पानी को रोकते या बहाते थे, जबकि ऑक्टागोनल कमरे गार्डरूम या मदरसा के रूप में इस्तेमाल होते थे। फ्लैंक टावर और बुर्ज इसे मजबूत बनाते थे, मानो कोई प्राचीन इंजीनियरिंग का नमूना हो।

दिल्ली में सीवर की जहरीली गैस से घुटा दम, एक सफाईकर्मी की मौत, तीन बीमार

नई दिल्ली, एजेंसी। रात के सन्नाटे में अचानक फैली जहरीली गैस ने एक आम सफाईकर्मी की जिंदगी छीन ली, जबकि उसके तीन साथी जिंदगी-मौत की जंग लड़ रहे हैं। यह हादसा दिल्ली के अशोक विहार इलाके में एक अपार्टमेंट के पास सीवर साफ करने के दौरान हुआ, जब रात करीब 12 बजे सब कुछ सामान्य लग रहा था। लेकिन अचानक निकली विषैली गैस ने एक मजदूर की जान ले ली।

रात को कर रहे थे सफाई

यह सब शुरू हुआ जब चार सफाईकर्मी रात के अंधेरे में अशोक विहार के एक अपार्टमेंट के पास जमा गंदगी भरे सीवर को साफ कर रहे थे। दिल्ली पुलिस के अनुसार, 40 वर्षीय अरविंद सबसे पहले सीवर में उतरा। तभी अचानक जहरीली गैस का गुबार फूट पड़ा, जो शायद मीथेन या सल्फर डाइऑक्साइड जैसी घातक गैसों से भरा था। अरविंद को तुरंत बेहोशी ने घेर लिया और वह सीवर के अंदर ही गिर पड़ा। उसके साथी घबरा गए, लेकिन बचाव की कोशिश में तीन अन्य भी गैस के शिकार हो गए। पुलिस ने बताया कि घटना स्थल पर पहुंची टीम ने किसी तरह बाकी तीनों को बाहर निकाला, लेकिन अरविंद को बचाया नहीं जा सका। अरविंद की मौत के बाद उसके तीन साथियों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों के मुताबिक, वे जहरीली गैस के संपर्क में आने से सांस लेने में तकलीफ, उल्टी और चक्कर जैसी शिकायतों से जूझ रहे हैं। तीनों की हालत गंभीर बताई जा रही है और वे आईसीयू में निगरानी में हैं। यह घटना न सिर्फ इन मजदूरों की जिंदगी को दांव पर लगा देती है, बल्कि पूरे शहर के लिए एक चेतावनी भी है।

पोलैंड का रूस पर हमला टायं-टायं फिस्स, अपना ही घर कर लिया तबाह!

नाटो की सुरक्षा तैयारियों पर उठे सवाल

पोलैंड, एजेंसी। पोलैंड में अमेरिकी मूल के ख्र-16 फाइटर जेट द्वारा दागी गई एआईएम-120 अम्राम मिसाइल अपने लक्ष्य यानी रूसी ड्रोन को मारने में नाकाम रही और गलती से वेरी नाम के एक कस्बे में एक घर पर जा गिरी। मिसाइल के गिरने से घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, हालांकि इसमें धमाका नहीं हुआ क्योंकि मिसाइल का सेफ्टी डिवाइस एक्टिव था। पोलैंड के राष्ट्रपति करोल नवरोकी ने इस घटना की जांच के आदेश दिए और कहा कि रूस ही जिम्मेदार है क्योंकि ड्रोन उसी ने भेजे थे। पोलिश मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, मिसाइल तकनीकी खराबी और गाइडेंस सिस्टम की असफलता की वजह से अपने लक्ष्य से भटक गई।

एआईएम-120 अम्राम मिसाइल को दुनिया की सबसे भरोसेमंद एयर-टू-एयर मिसाइल माना जाता है, जिसका इस्तेमाल कई नाटो देशों के फाइटर जेट करते हैं। इस घटना ने नाटो की सुरक्षा तैयारियों और अमेरिकी मिसाइल टेक्नोलॉजी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पोलैंड ने ख्र-16 के साथ-साथ ख्र-35 स्टील्थ जेट को भी रूसी ड्रोन मारने के मिशन पर भेजा था। पोलिश नेशनल सिक्योरिटी ब्यूरो ने कहा कि सरकार को वेरी शहर की घटना पर तुरंत स्पष्टीकरण देना चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी हथियार में तकनीकी गड़बड़ी, ऑपरेशनल प्रेशर या गाइडेंस सिस्टम फेल होने की संभावना रहती है, लेकिन ढ्ढरू-120 जैसी मिसाइल में ऐसी असफलता नाटो की सुरक्षा और हथियारों की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठाती है।

चार्ली की हत्या के बाद टेलर ने अपनी ट्रांसजेंडर पार्टनर से कबूला था गुनाह

वाशिंगटन , एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप के करीबी चार्ली कर्क की सरेआम हत्या काफी चर्चा में है। 2 दिन की तलाश के बाद पुलिस ने चार्ली कर्क को मारने वाले टेलर रॉबिन्सन को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, चार्ली की हत्या के बाद टेलर ने अपनी ट्रांसजेंडर दोस्त के सामने अपना गुनाह कबूल किया था।

अमेरिकी अधिकारी लगातार टेलर से पूछताछ कर रहे हैं। उन्होंने जांच से जुड़ी कोई भी जानकारी साझा नहीं है। हालांकि, कोर्ट की फाइलों से पता चलता कि टेलर ने अपने दोस्त से चार्ली के बारे में बात की थी। टेलर ने चार्ली नाम लेते हुए लिखा था, मैं उससे बहुत नफरत करता हूं और कुछ नफरतों को बातचीत से हल नहीं किया जा सकता है।

टेलर ने बताई हत्या की वजहः टेलर की पार्टनर ने जब पूछा कि क्या यह कोई मजाक है, तो इसके जवाब में टेलर ने कहा, मैं बिल्कुल ठीक हूं। मैं किसी काम में व्यस्त हूं। मगर, मुझे घर आने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। मेरी राइफल मेरे हाथ में है। मैंने सोचा था यह राज मरते दम तक किसी ने नहीं बताऊंगा, लेकिन तुम्हें इसमें शामिल करने के लिए माफी मांगता हूं।

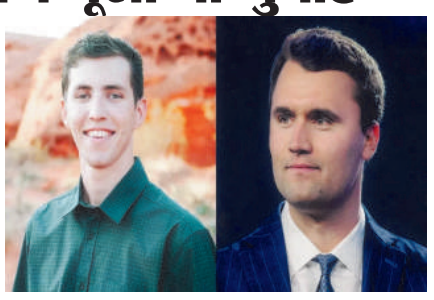

टेलर की पार्टनर ने पूछा कि क्या चार्ली कर्क की हत्या तुमने की है? इसके जवाब में टेलर ने कहा, मुझे माफ कर दो। टेलर ने चार्ली की हत्या की वजह बताते हुए कहा, कुछ चीजों के लिए नफरत ही काफी होती है और इसे बातचीत से हल नहीं किया जा सकता है।

पिछले हफ्ते हुई थी चार्ली की मौतः ट्रंप के करीबी और टर्निंग पॉइंट यूएसए के मालिक 31 वर्षीय चार्ली कर्क पिछले हफ्ते यूटा वैली यूनिवर्सिटी में संबोधन दे रहे थे। तभी 22 साल के टेलर ने चार्ली पर गोली चलाई, जो सीधे उनकी गर्दन में जा लगी और चार्ली ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

यूक्रेनी बच्चों को बनाया जा रहा 'रूसी'

200 कैंप बना कर रूस दे रहा मिलिट्री ट्रेनिंग; रिपोर्ट

मास्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच बीते 3 सालों से जारी युद्ध के बीच हाल ही में सामने आई रिपोर्ट में हैरान करने वाले खुलासे हुए हैं। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जंग के बीच, रूस करीब 200 कैंप्स लगाकर यूक्रेनी बच्चों को ट्रेनिंग के जरिए 'रूसी' बना रहा है। यह बातें येल स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के ह्यूमैनिटेरियन रिसर्च लैब (एचआरएल) द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट में कही गई हैं। स्टोलेन किड्स ऑफ यूक्रेन नाम की इस रिपोर्ट के मुताबिक इन शिविरों में से आधे से ज्यादा का प्रबंधन रूसी सरकार खुद करती है। कथित तौर पर इन 200 कैंप्स से आधे से ज्यादा फैसिलिटी में बच्चों को अलग तरह की शिक्षा दी जाती है। वहीं 18 फीसदी कैंप्स में उन्हें मिलिट्री ट्रेनिंग दी जाती है। रिपोर्ट में यह दावा भी किया गया है कि इनमें से कुछ सुविधाओं में आठ साल की उम्र के बच्चों को भी हथियारों का प्रशिक्षण दिया जाता है। बच्चों को ग्रेनेड फेंकने की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए भी कहा जाता है।

ब्रेनवॉश करने की योजना?

रिपोर्ट में अलग अलग-जगहों का भी जिक्र है जहां यूक्रेनी बच्चों को ले जाया गया है। इनमें कैडेट स्कूल, सैन्य अड्डा, हेल्थ फैसिलिटी, धार्मिक स्थल, स्कूल और विश्वविद्यालय, होटल, अनाथालय और ट्रेनिंग कैंप का शामिल हैं। द गार्जियन ने रिपोर्ट पब्लिश करने वाले एचआरएल के निदेशक नथानिएल रेमंड के हवाले से बताया, यह एक बड़ा नेटवर्क है, जिसे स्पष्ट रूप से यूक्रेनी बच्चों को रूसी बनाने के लिए बनाया गया है। उन्होंने आगे कहा, यह यूक्रेन के बच्चों को फिर से शिक्षित करने, उनका ब्रेनवॉश करने और उन्हें सैनिक बनाने की एक योजना है।

पुतिन के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय गिरफ्तारी वारंट

बता दें कि 2023 में एक जांच के बाद, इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और रूस की चिल्ड्रेन कमिश्नर मारिया रवोवा-बेलोवा पर यूक्रेन से बच्चों के सामूहिक अपहरण का आरोप लगाया था। जांच के बाद, पुतिन के खिलाफ एक अंतरराष्ट्रीय गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया गया

ईरान ने 8वें इजराइली शाहबाजी को जासूसी के लिए दी फांसी

तेहरान , एजेंसी। ईरान ने बुधवार को कहा कि उसने इजराइल के लिए जासूसी करने के आरोपी व्यक्ति को फांसी दे दी है। बहरहाल, कार्यकर्ताओं का कहना है कि आरोपी व्यक्ति को यातना देकर झूठे अपराध स्वीकार करवाए गए। न्यायपालिका की मीज़ान समाचार एजेंसी ने मृतक की पहचान बाबक शाहबाजी के रूप में की और दावा किया कि उसने ईरानी डेटा केंद्रों व सुरक्षा ठिकानों की संवेदनशील जानकारी इकट्ठा की तथा उन्हें इजराइली एजेंटों को बेचा था। वहीं, कार्यकर्ताओं का कहना है कि शाहबाजी को इसलिए गिरफ्तार किया गया था क्योंकि उसने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को पत्र लिखकर मदद की पेशकश की थी।

गौरतलब है कि ईरान ने रूस को ड्रोन उपलब्ध कराए हैं, जिनका इस्तेमाल मास्को ने यूक्रेन पर हमलों में किया। मानवाधिकार संगठन 'ईरान ह्यूमन राइट्स ने पहले ही चेतावनी दी थी कि शाहबाजी को फांसी दी जा सकती है। संगठन ने कहा, ''बाबक का राष्ट्रपति जेलेंस्की को युद्ध में मदद की पेशकश करने वाला संदेश, ईरान की ओर से इजराइल के लिए जासूसी का सबूत बताया गया। उन्होंने यह भी कहा कि बाबक को माइक्रोसॉफ्ट वर्ड का इस्तेमाल करना इजराइल ने सिखाया। हालांकि, ईरान ने इस दावे को स्वीकार नहीं किया।

ईरान ने यह स्पष्ट नहीं किया कि शाहबाजी को कैसे मृत्युदंड दिया गया, लेकिन आमतौर पर दोषियों को फांसी

पर लटकाया जाता है। ईरान ने इजराइल के साथ 12 दिन के युद्ध के दौरान जासूसी के आरोप में आठ लोगों को फांसी दी है। हाल में इजराइल और ईरान के बीच 12 दिन का युद्ध हुआ था जिसमें इजराइल के हवाई हमलों से करीब 1,100 लोग मारे गए, जिनमें कई सैन्य कमांडर भी शामिल थे। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल पर मिसाइल हमले किए थे।

संक्षिप्त समाचार

मोदी के 75वें जन्मदिन पर सबसे पहले ट्रम्प की बधाई

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को प्रधानमंत्री मोदी को फोन पर सबसे पहले जन्मदिन की बधाई दी। प्रधानमोदी आज 75 साल के हो गए हैं। उन्होंने मंगलवार रात 10:53 बजे बताया कि ट्रम्प ने उन्हें फोन किया। ट्रम्प ने रात 11:30 बजे अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर पीएम से बातचीत की जानकारी दी। ट्रम्प ने लिखा, अभी-अभी मेरे दोस्त, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बहुत अच्छी बातचीत हुई। मैंने उन्हें जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं दीं। वे अद्भुत काम कर रहे हैं। नरेंद्र, रूस और यूक्रेन के बीच जंग खत्म करने में आपके सहयोग के लिए धन्यवाद। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, थैंक यू, मेरे दोस्त, प्रेसिडेंट ट्रम्प, मेरे 75वें जन्मदिन पर आपके फोन कॉल और बधाई के लिए धन्यवाद। आपकी तरह, मैं भी भारत-अमेरिका के बीच व्यापक और वैश्विक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं। हम यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में आपकी पहल का समर्थन करते हैं।

अमेरिका का लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ता चीनी जासूस निकला

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क शहर में लोकतंत्र समर्थक समूह का नेतृत्व करने वाले चीनी मूल के नागरिक पर बीजिंग के लिए जासूसी करने का आरोप तय हुआ है। आरोपी द्वारा अपने साथी चीनी कार्यकर्ताओं की जासूसी चीन की खुफिया एजेंसी से की जा रही थी। आरोपी की पहचान 68 वर्षीय युआनजुन तांग के रूप में हुई है, जो सार्वजनिक तौर पर तो चीनी कम्युनिस्ट पार्टी का मुखर आलोचक था, लेकिन असल में वह अपने साथी कार्यकर्ताओं की जासूसी करता था। वह कई बार मेनहट्टन स्थित वाणिज्य दूतावास के बाहर चीन के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों में भी शामिल हुआ। तांग साल 2002 से अमेरिका के न्यूयॉर्क में रह रहा था। पिछले अगस्त में तांग के खिलाफ आरोप लगाने वाले संघीय अभियोजकों ने बताया कि तांग ने चीन में रह रहे अपने परिवार के सदस्यों से मिलने की अनुमति पाने के लिए ये काम स्वीकार किए थे। एफबीआई के सहायक निदेशक क्रिस्टोफर जी. राया ने एक बयान में कहा, चीनी सरकार को लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ताओं का दमन करने में मदद करने के लिए तांग द्वारा अमेरिका के आदर्शों के साथ विश्वासघात किया गया, यह उन्हीं मूल्यों के खिलाफ है, जिनके प्रचार का उन्होंने दावा किया था।

पापुआ न्यू गिनी की आजादी की 50वीं वर्षगांठ समारोह में शामिल हुए पाबित्रा मार्गेरिटा

पोर्ट मोरेस्बी, एजेंसी। विदेश राज्य मंत्री पाबित्रा मार्गेरिटा पापुआ न्यू गिनी की आजादी की 50वीं वर्षगांठ समारोह में शामिल हुए। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में कहा, पापुआ न्यू गिनी की स्वतंत्रता के 50 साल पूरे होने के अवसर पर यहां आकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत की जनता की ओर से पापुआ न्यू गिनी की सरकार और जनता को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। आज सुबह पोर्ट मोरेस्बी के इंडिपेंडेंस हिल पर ध्वजारोहण समारोह में शामिल हुआ। मार्गेरिटा ने एक अन्य पोस्ट में कहा, पापुआ न्यू गिनी के 50 वर्ष पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रमों के दौरान ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज से मिलकर खुशी हुई।

बेलारूस में पत्रकार को 4 साल की सजा

मिन्स्क, एजेंसी। बेलारूस की एक अदालत ने स्वतंत्र पत्रकार इहार इल्याश को चार साल कैद की सजा सुनाई है। यह फैसला उस समय आया है जब कुछ ही दिन पहले अमेरिका की मध्यस्थता से हुए समझौते के तहत 50 से अधिक राजनीतिक कैदियों को रिहा किया गया था। इल्याश पर चरमपंथ फैलाने के आरोप लगाए गए थे, क्योंकि उन्होंने राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको की सरकार की आलोचना करते हुए लेख और टिप्पणियां लिखीं।

माइक्रोसॉफ्ट ने निजी डाटा चुराने वाली नाइजीरिया की 340 वेबसाइटों का पता लगाया

अबुजा, एजेंसी। माइक्रोसॉफ्ट इंक ने नाइजीरिया में तेजी से बढ़ रही एक सेवा से जुड़ी 340 वेबसाइटों का पता लगाया है, जो उपयोगकर्ताओं की फिशिंग अभियान चलाने की अनुमति देती और 5,000 माइक्रोसॉफ्ट उपयोगकर्ताओं के क्रेडेंशियल चुराती थी। माइक्रोसॉफ्ट की डिजिटल क्राइम यूनिट के सहायक महाधिवक्ता स्टीवन मसाडा ने मंगलवार को बताया कि माइक्रोसॉफ्ट को इस माह की शुरुआत में मैनहट्टन स्थित अमेरिकी जिला न्यायालय से आदेश मिला था, जिसमें रैकून0365 से जुड़े डोमेन जब्त करने को कहा था। रैकून0365 ऐसी सब्सक्रिप्शन सेवा है, जो उपयोगकर्ताओं को इसके पैमाने पर फिशिंग अभियान चलाने की अनुमति देती थी। उसमें कभी-कभी एक साथ हजारों ईमेल शामिल होते थे। मसाडा ने माइक्रोसॉफ्ट की वेबसाइट पर पोस्ट किए एक ब्लॉग में बताया कि रैकून0365 की सेवा, जो 850 से ज्यादा सब्सक्राइबर्स वाले एक निजी टेलीग्राम चैनल के जरिये संचालित होती है।

डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ एक और यूनिवर्सिटी ने खोला मोर्चा, फंड रोकने पर दायर किया मुकदमा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनका प्रशासन भारी भरकम टैकिफ लगाने की वजह से जहां दुनियाभर के कई देशों के निशाने पर हैं, वहीं अब अमेरिका की एक और टॉप यूनिवर्सिटी ने फंड रोके जाने के मुद्दे पर उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कैलिफ़ोर्निया यूनिवर्सिटी के शिक्षकों, छात्रों और अन्य कर्मचारियों ने ट्रंप प्रशासन पर संघीय धन रोके जाने और अन्य कार्रवाइयों के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। अपनी याचिका में यूनिवर्सिटी ने आरोप लगाया है कि ट्रंप प्रशासन यूनिवर्सिटी की शैक्षणिक स्वतंत्रता का हनन करना चाहता है। कैलिफ़ोर्निया के उत्तरी जिले की डिस्ट्रिक कोर्ट में दायर इस मुकदमे में यूनिवर्सिटी ने ट्रंप सरकार पर वित्तीय धमकियों का इस्तेमाल करने से रोकने की मांग की गई है। याचिका में फंड रोकने की धमकी को हानिकारक और गैरकानूनी बताया गया है। अर्जी में पहले से निलंबित धन को फिर से बहाल करने का भी अनुरोध किया गया है।

फंड रोकना उनका हथकंडा बन गया है : ट्रंप प्रशासन के खिलाफ मुकदमा दायर करने वाले शिक्षकों, छात्रौं और कर्मचारियों के संघ ने कहा कि ट्रंप प्रशासन ने कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को धमकाने और फंड रोकने का हथकंडा अपना रखा है। उन्होंने आगे कहा कि ये धमकियाँ संस्थानों के पाठ्यक्रम, परिसरों में अभिव्यक्तिपूर्ण गतिविधियों और

विविधता, समानता और समावेशन की पहलों के प्रति तिरस्कार पर आधारित हैं। फिलहाल कैलिफ़ोर्निया यूनिवर्सिटी सिस्टम और वाइट हाउस ने इस मुक़दमे पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है।

यहूदी-विरोधी छात्र प्रदर्शनों की जांच : इस बीच, ट्रंप प्रशासन ने गाजा पर इजरायल के हमले के खिलाफ छात्रों के विरोध प्रदर्शनों के दौरान कथित यहूदी-विरोधी गतिविधियों से निपटने के विश्वविद्यालयों के तरीकों की जाँच शुरू कर दी है और इस मामले में तथा जलवायु पहलों और डीईआई कार्यक्रमों सहित अन्य मुद्दों पर धन रोक दिया है। नागरिक अधिकारों के पैरोकारों का कहना है कि ट्रम्प प्रशासन विश्वविद्यालयों को अपने राजनीतिक एजेंडे के साथ कंट्रोल करने की कोशिश कर रहा है, जबकि आलोचक ऐसे प्रयासों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शैक्षणिक स्वतंत्रता के लिए खतरा मानते हैं।

यूसीएलए का 584 मिलियन डॉलर फंड रुका : कैलिफ़ोर्निया विश्वविद्यालय अमेरिका की सबसे बड़ी उच्च शिक्षा प्रणालियों में से एक का संचालन करता है, जिसके 10 मुख्य परिसर हैं और लगभग 300,000 छात्र हैं। इस यूनिवर्सिटी में 265,000 संकाय और कर्मचारी काम करते हैं। अमेरिका की टॉप पब्लिक यूनिवर्सिटीज में से एक- कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी, लॉस एंजिल्स (यूसीएलए) ने अगस्त में कहा था कि सरकार ने 584 मिलियन डॉलर की धनराशि रोक दी है। कैलिफ़ोर्निया यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष जेम्स मिलिकेन ने सोमवार को कहा कि संघीय सरकार की कार्रवाइयों के कारण संस्थान अपने इतिहास के सबसे गंभीर खतरों में से एक का सामना कर रहा है, और बताया कि उसे हर साल संघीय सहायता के रूप में 17 अरब डॉलर से अधिक प्राप्त होते हैं।

खालिस्तानी आतंकियों ने कनाडा में भारतीय दूतावास पर कब्जा करने की धमकी दी

टोरंटो, एजेंसी। अमेरिका स्थित खालिस्तानी समूह, सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) ने कनाडा के वैंकूवर स्थित कॉन्सुलेट (भारतीय वाणिज्य दूतावास) को घेरने की धमकी दी है। अलगाववादी संगठन ने घोषणा की है कि वह गुरुवार, 18 सितंबर को वाणिज्य दूतावास पर कब्जा कर लेगा। उन्होंने भारतीय-कनाडाई लोगों से परिसर से दूर रहने को कहा है। ये धमकी भारत-कनाडा के बीच राजनयिक संबंध फिर से शुरू होने के कारण दिया गया है। समूह ने भारतीय उच्चायुक्त दिनेश पटनायक की तस्वीर वाला एक पोस्टर भी जारी किया। एसएफजे ने 18 सितंबर 2023 को कनाडाई संसद में तत्कालीन कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो के बयान का हवाला दिया, जब उन्होंने कहा था कि आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की भूमिका की जांच चल रही है। भारतीय वाणिज्य दूतावास खालिस्तान समर्थकों को निशाना बनाकर जासूसी नेटवर्क चला रही हैं। इस महीने की शुरुआत में, कनाडा सरकार की एक रिपोर्ट में देश में खालिस्तानी आतंकवादी समूहों की मौजूदगी की बात स्वीकार की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कनाडा यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके कनाडाई समकक्ष मार्क कार्नी के बीच सहमति बनने के बाद भारत और कनाडा ने हाल ही में अपने नए उच्चायुक्त की घोषणा की है।

स्लोवाकिया में प्रधानमंत्री फिको की आर्थिक और रूस समर्थक नीतियों के खिलाफ नाराजगी, सड़क पर हजारों लोग

ब्रातिस्लावा, एजेंसी। स्लोवाकिया में प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको की आर्थिक नीतियों और रूस समर्थक रुख के खिलाफ गुस्सा बढ़ रहा है। 16 बड़े शहरों और कस्बों में हजारों लोग मंगलवार को सड़कों पर उतरे। देश की राजधानी ब्रातिस्लावा सहित पूरे देश में प्रदर्शन हुए। जनता के गुस्से का नेतृत्व विपक्षी राजनीतिक दलों ने किया। हालिया विरोध के उग्र होने का कारण पीएम फिको की चीन यात्रा और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से तीसरी बार मुलाकात को माना जा रहा है। पीएम फिको नीत सरकार ने हाल ही में कठोर आर्थिक पैकेज को भी स्वीकृति दी है। इसके खिलाफ भी जनाक्रोश बढ़ रहा है।

खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़े, छुट्टियों में भी कटौती : सरकार का कहना है कि फैसले लिए जाने जरूरी हैं क्योंकि 2023 में देश का बजट घाटा जीडीपी का 5.3 प्रतिशत था, जो यूरो अपनाने वाले देशों में दूसरा सबसे ऊंचा स्तर था। इस वर्ष भी घाटा 5 प्रतिशत से अधिक रहने की आशंका है, जबकि यूरोपीय संघ की सीमा 3 प्रतिशत है। इन उपायों में स्वास्थ्य और सामाजिक बीमा पर वृद्धि, उच्च आय वर्ग पर आयकर बढ़ाना, कुछ खाद्य उत्पादों पर वैट में इजाफा और राष्ट्रीय छुट्टियों में कटौती शामिल है।

विरोधी पार्टी की नेता का दावा- जनता अब फिको से तंग आ चुकी है श्रमिक संगठनों और आलोचकों ने

आरोप लगाया है कि इन उपायों का बोझ आम लोगों पर पड़ेगा। देश के व्यापार जगत का कहना है कि इसमें अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने वाला कुछ नहीं है। विरोध प्रदर्शन में प्रोग्रेसिव स्लोवाकिया पार्टी के प्रमुख मिखाल शिमेका ने कहा कि लोग अब फिको से तंग आ चुके हैं। उनकी पार्टी ने स्वतंत्रता और एकजुटता, क्रिश्चियन डेमोक्रेट्स और डेमोक्रेट्स दलों के साथ मिलकर प्रदर्शन आयोजित किए। कुछ नेताओं ने आम हड़ताल की चेतावनी भी दी। प्रदर्शनकारियों ने हमें फिको से छुटकारा चाहिए जैसे नारे लगाए। यह आंदोलन पिछले सप्ताह भी भड़का था जब प्रधानमंत्री फिको ने बीजिंग में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के आमंत्रण पर आयोजित सैन्य परेड में हिस्सा लिया था। यूरोपीय संघ के सदस्य देशों में फिको अकेले नेता थे जो इस परेड में मौजूद रहे। आलोचकों का कहना है कि फिको स्लोवाकिया को हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ऑर्बन की तरह उसी रास्ते पर ले जा रहे हैं, जिन्हें अक्सर अलोकतांत्रिक कहा जाता है।

यूक्रेनी बच्चों को बनाया जा रहा 'रूसी', 200 कैंप बना कर रूस दे रहा मिलिट्री ट्रेनिंग; रिपोर्ट

मास्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच बीते 3 सालों से जारी युद्ध के बीच हाल ही में सामने आई रिपोर्ट में हैरान करने वाले खुलासे हुए हैं। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जंग के बीच, रूस करीब 200 कैंप्स लगाकर यूक्रेनी बच्चों को ट्रेनिंग के जरिए 'रूसी' बना रहा है। यह बातें येल स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के ह्यूमैनिटेरियन रिसर्च लैब (एचआरएल) द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट में कही गई हैं। स्टोलेन किड्स ऑफ यूक्रेन नाम की इस रिपोर्ट के मुताबिक इन शिविरों में से आधे से ज्यादा का प्रबंधन रूसी सरकार खुद करती है। कथित तौर पर इन 200 कैंप्स से आधे से ज्यादा फैसिलिटी में बच्चों को अलग तरह की शिक्षा दी जाती है। वहीं 18 फीसदी कैंप्स में उन्हें मिलिट्री ट्रेनिंग दी जाती है। रिपोर्ट में यह दावा भी किया गया है कि इनमें से कुछ सुविधाओं में आठ साल की उम्र के बच्चों को भी हथियारों का प्रशिक्षण दिया जाता है। बच्चों को ग्रेनेड फेंकने की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए भी कहा जाता है। ब्रेनवॉश करने की योजना? रिपोर्ट में अलग अलग-जगहों का भी जिक्र है जहां यूक्रेनी बच्चों को ले जाया गया है। इनमें कैडेट स्कूल, सैन्य अड्डा, हेल्थ फैसिलिटी, धार्मिक स्थल, स्कूल और विश्वविद्यालय, होटल, अनाथालय और ट्रेनिंग कैंप का शामिल हैं। द गार्जियन ने रिपोर्ट पब्लिश करने वाले एचआरएल के निदेशक नथानिएल रेमंड के हवाले से बताया, यह एक बड़ा नेटवर्क है, जिसे स्पष्ट रूप से यूक्रेनी बच्चों को रूसी बनाने के लिए बनाया गया है। उन्होंने आगे कहा, यह यूक्रेन के बच्चों को फिर से शिक्षित करने, उनका ब्रेनवॉश करने और उन्हें सैनिक बनाने की एक योजना है। पुतिन के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय गिरफ्तारी वारंट बता दें कि 2023 में एक जांच के बाद, इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और रूस की चिल्ड्रेन कमिश्नर मारिया रवोवा-बेलोवा पर यूक्रेन से बच्चों के सामूहिक अपहरण का आरोप लगाया था। जांच के बाद, पुतिन के खिलाफ एक अंतरराष्ट्रीय गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया गया।

कैनेडी के खिलाफ गवाही देंगी सीडीसी की बर्खास्त प्रमुख, बिना सबूत वैक्सीन को मंजूरी देने का आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) की बर्खास्त निदेशक सुजैन मोनारेज सीनेट के सामने गवाही देंगी। इस गवाही में मोनोरेज सीनेटरों को बताएंगी कि स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर ने उन पर वैज्ञानिक प्रमाण देखे बिना नई वैक्सीन सिफारिशों का समर्थन करने का दबाव डाला था। सीनेट के सामने यह सुनवाई बुधवार को होगी। गवाही की प्रति मीडिया में लीक हो गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मोनोरेज गवाही में ये भी बताएंगी कि कैनेडी ने उन्हें अल्टीमेटम दिया था या तो वे वैक्सीन को मंजूरी दें या फिर उन्हें बर्खास्त कर दिया जाएगा। मोनोरेज ने कहा कि वैक्सीन की सुरक्षा पर संदेह भी है।

सीनेट की स्वास्थ्य समिति के सामने पेश होंगी मोनोरेज :

गौरतलब है कि मोनोरेज को कैनेडी ने ही सीडीसी प्रमुख के रूप में चुना था, जिन्हें बाद में ट्रंप ने नामित किया। हालांकि उनके पद ग्रहण करने के कुछ ही हफ्तों बाद उन्हें बर्खास्त कर दिया गया। अपनी बर्खास्तगी को लेकर मोनोरेज सीनेट की स्वास्थ्य समिति के सामने पेश होंगी। गवाही की प्रति के अनुसार, मोनारेज सीनेटरों के सामने अपनी शुरुआती गवाही में कहेंगी, दबाव में भी, मैं सबूतों की जगह विचारधारा नहीं ला सकती थी या अपनी ईमानदारी से समझौता नहीं कर सकती थी। टीकाकरण नीति विश्वसनीय आंकड़ों से चलनी चाहिए, न कि पूर्व निर्धारित परिणामों से।

जनता के लिए वैक्सीन की सिफारिश करती है सीडीसी : मोनारेज ने यह भी दावा किया कि कैनेडी ने उन्हें बिना किसी कारण के सीडीसी के कई उच्च पदस्थ अधिकारियों को नौकरी से निकालने का निर्देश दिया था। सीडीसी अमेरिका की प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसी है, जो जनता को टीकों की सिफारिशें करने के लिए जिम्मेदार है। सीनेट की सुनवाई वैक्सीन के बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव पर केंद्रित होगी। मोनारेज के अलावा पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डेबरा होउरी, भी समिति के सामने गवाही देंगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने आरोपों को खारिज किया : वहीं स्वास्थ्य मंत्री कैनेडी ने मोनारेज के उन आरोपों का खंडन किया है। हालांकि, उन्होंने इस महीने की शुरुआत में सीनेट की एक सुनवाई के दौरान स्वीकार किया था कि उन्होंने मोनारेज को सीडीसी के कई शीर्ष अधिकारियों को बर्खास्त करने का आदेश दिया था। सीनेट की यह सुनवाई अटलांटा में वैक्सीन पैनल के दो दिवसीय सत्र शुरू होने से ठीक एक दिन पहले हो रही है।

फिलिस्तीन पर हफ्ते भर में जापान का यू-टर्न? मान्यता देने पर अब क्यों कर रहा अगर-मगर, संयुक्त राष्ट्र में भी किनारा

टोक्यो, एजेंसी। अमेरिका के मित्र देश जापान ने युद्धग्रस्त फिलिस्तीन को एक राष्ट्र के रूप में मान्यता नहीं देने का फैसला किया है। जापानी अखबार असाही की रिपोर्ट के अनुसार, जापान अमेरिका के साथ संबंधों को देखते हुए फ़िलिस्तीनी राज्य को मान्यता नहीं देने का फैसला किया है। अखबार ने सरकारी सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि जापान फिलहाल फिलिस्तीनी राज्य को मान्यता नहीं देगा। ऐसा संभवतः अमेरिका के साथ संबंध बनाए रखने और इजरायल के सख्त रवैये से बचने के लिए किया जा रहा है।

ब्रिटेन, फ्रांस, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया सहित कई सरकारों ने कहा है कि वे इस महीने संयुक्त राष्ट्र महासभा

में फ़िलिस्तीन को एक राष्ट्र के रूप में मान्यता देंगे, जिससे इस क्षेत्र में इजरायल की गतिविधियों को लेकर उस पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ गया है। भारत पहले ही फिलिस्तीन को यह दर्जा दे चुका है और संयुक्त राष्ट्र में मौजूदा प्रस्ताव का समर्थन किया है। असाही ने अपनी रिपोर्ट में ये भी कहा है कि जापानी प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा 22 सितंबर को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र की बैठक के दौरान इज़रायल और फ़िलिस्तीनियों के बीच द्वि-राज्य समाधान (टू स्टेट सॉल्युशन) पर होने वाली बैठक में शामिल नहीं होंगे।

अमेरिका ने किया था मान मनौव्वल : क्योदो समाचार एजेंसी ने पिछले हफ्ते एक रिपोर्ट में बताया था कि अमेरिका ने कई राजनयिक माध्यमों से जापान को फ़िलिस्तीनी राज्य को मान्यता नहीं देने के लिए मान मनौव्वल किया था, जबकि फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरोट ने अपने जापानी समकक्ष से इसे मान्यता देने का पुरजोर आग्रह किया था। हालांकि, जापान के विदेश मंत्री ताकेशी इवाया ने मंगलवार को एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा था कि जापान फिलिस्तीनी राज्य को मान्यता देने के मुद्दे पर, उचित समय और तौर-तरीकों सहित, एक व्यापक मूल्यांकन कर रहा है।

हफ्ते भर में रुख में बदलाव : शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र की एक बैठक में, जापान उन 142 देशों में शामिल था जिन्होंने द्वि-राज्य समाधान की दिशा में ठोस, समयबद्ध और अपरिवर्तनीय कदमों की रूपरेखा वाले एक घोषणापत्र के पक्ष में मतदान किया था। अब हफ्ते भर के अंदर जापान का रुख बदलता नजर आ रहा है। हालांकि, सात देशों के समूह में, जर्मन और इतालवी अधिकारियों ने फिलिस्तीन को तत्काल मान्यता देने को प्रतिकूल बताया था।

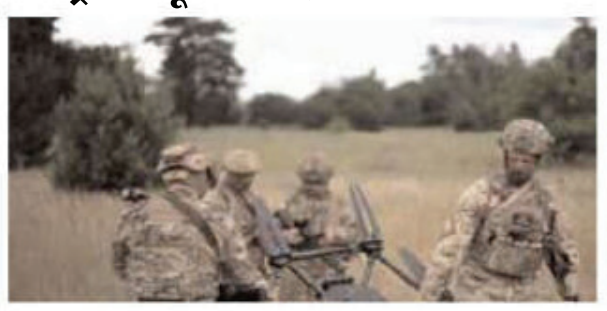

भीषण होगी रूस-यूक्रेन की जंग, भारी हथियार भेजने जा रहा अमेरिका, ट्रंप ने यूरोपीय देशों से लिए पैसे

कीव, एजेंसी। अमेरिका ने यूक्रेन को हथियार सहायता भेजने के लिए अपने पहले पैकेज को मंजूरी दे दी है। सूत्रों के अनुसार, यह पैकेज जल्द ही कीव को भेजा जा सकता है। खास बात यह है कि इस बार हथियारों की आपूर्ति एक नए वित्तीय समझौते के तहत होगी, जिसमें अमेरिका के साथ नाटो के सहयोगी देश भी शामिल हैं। यह पहली बार है जब अमेरिका और उसके सहयोगियों ने 'प्राथमिकता प्राप्त यूक्रेन आवश्यकताओं की सूची' नामक नई प्रणाली का उपयोग किया है। इसके तहत नाटो देशों के फंड से अमेरिकी हथियार भंडार से यूक्रेन को सैन्य सहायता दी जाएगी। रक्षा नीति के लिए अंडरसेक्रेटरी एल्ब्रिज कोल्बी ने इस योजना के अंतर्गत करीब 500-500 मिलियन डॉलर मूल्य के दो शिपमेंट्स को मंजूरी दी है। यानी इस बार अमेरिका केवल अपने पैसों से यूक्रेन को हथियार नहीं भेज रहा है बल्कि ट्रंप सरकार ने नाटों देशों से खूब पैसे लिए हैं। समाचार एजेंसी रायटर्स ने सूत्रों के हवाले से लिखा है कि, इस व्यवस्था के जरिए अमेरिका और उसके यूरोपीय सहयोगी लगभग 10 अरब डॉलर तक के हथियार यूक्रेन को मुहैया कराने की तैयारी कर रहे हैं। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस के लगातार हमलों से नाराजगी जाहिर कर चुके हैं। ट्रंप ने कई बार संघर्ष को बातचीत के जरिए खत्म करने की इच्छा जताई है, लेकिन अब तक उनके प्रयास सफल नहीं हो पाए हैं। अब तक ट्रंप प्रशासन ने या तो हथियारों की बिक्री की थी या फिर उन गिफ्ट में दिए शिपमेंट्स को भेजा था जिन्हें पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने मंजूरी दी थी। बाइडेन यूक्रेन के प्रबल समर्थक माने जाते रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि यूरोपीय देशों ने जिन हथियारों की खरीद को मंजूरी दी है, उनमें एयर डिफेंस सिस्टम भी शामिल हैं। रूस के ड्रोन और मिसाइल हमलों में भारी बढ़ोतरी के कारण यूक्रेन के लिए ये सिस्टम बेहद आवश्यक हैं। इसके अलावा इंटरसेप्टर्स, रॉकेट्स और आर्टिलरी जैसे हथियार भी इस सूची का हिस्सा बताए जा रहे हैं। एक सूत्र ने कहा, यह वही सामान है जिसकी मांग यूक्रेन लगातार कर रहा था। बड़ी मात्रा में सामग्री भेजी जा रही है। इसी ने अब तक यूक्रेनी मोर्चों को स्थिर बनाए रखने में मदद की है। फिलहाल पेंटागन ने इस पर आधिकारिक टिप्पणी करने से इनकार किया है।

पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो दूसरी बार अस्पताल में भर्ती, तख्तापलट मामले में सजा के बाद बिगड़ी तबीयत

रियो डी जेनेरियो, एजेंसी। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो को मंगलवार (स्थानीय समयानुसार) को दूसरी बार अस्पताल ले जाया गया। पिछले हफ्ते तख्तापलट की कोशिश के आरोप में दोषी ठहराए जाने के बाद उनकी तबीयत फिर बिगड़ गई। उनके बेटे ने बताया कि इस बार उन्हें उल्टियां और लो ब्लड प्रेशर की शिकायत हुई। दक्षिणपंथी राजनेता बोल्सोनारो को रविवार को भी राजधानी ब्रासीलिया के उसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। तब उनकी त्वचा पर घाव पाए गए थे। तब डॉक्टरों ने कहा था कि जांच में पता चला है कि उन्हें आयरन की कमी से एनीमिया है और हाल ही में हुए निमोनिया के लक्षण भी मिले थे।

हिचकियां, उल्टी और लो ब्लड प्रेशर की हुई समस्या : मंगलवार को बोल्सोनारो को तेज हिचकियां, उल्टी और लो ब्लड प्रेशर की समस्या हुई, जिसके बाद

पुलिस उन्हें अस्पताल ले गई। उनके बेटे सीनेटर फ्लेवियो बोल्सोनारो ने एक्स पर पोस्ट कर इस बारे में जानकारी दी।

पैनल ने 27 साल और तीन महीने की सुनाई है सजा : बीते बृहस्पतिवार को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के एक पैनल ने बोल्सोनारो को वर्तमान राष्ट्रपति लईज इनासियो लूला दा सिल्वा से 2022 में चुनाव हारने के बाद सत्ता में बने रहने के लिए अवैध रूप से तख्तापलट की कोशिश का दोषी पाया था। पैनल ने बोल्सोनारो को 27 साल और तीन महीने की सजा सुनाई। हालांकि, इस सजा के तहत बोल्सोनारो को तुरंत जेल नहीं भेजा जाएगा। अदालत को फैसले की पूरी कॉपी जारी करने में 60 दिन तक का समय लगेगा और इसके बाद बोल्सोनारो के वकीलों को अपील के लिए 5 दिन का समय मिलेगा।

बोल्सोनारो ने सभी आरोपों को खारिज किया : हालांकि, बोल्सोनारो ने सभी आरोपों को खारिज किया है और खुद को राजनीतिक प्रताड़ना का शिकार बताया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी उनका समर्थन किया और मुकदमे को विच हंट बताया। इससे पहले, ट्रंप ने जुलाई में ब्राजील से आने वाले सामान पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया था, जिसमें बोल्सोनारो का मामला भी एक वजह बताया गया।

अगस्त की शुरुआत से ही घर में नजरबंद हैं बोल्सोनारो : 70 वर्षीय पूर्व राष्ट्रपति अगस्त की शुरुआत से ही इस मामले में अपने घर में नजरबंद हैं। मामले की निगरानी कर रहे न्यायाधीश एलेक्जेंडर डी मोरेस ने कहा था कि बोल्सोनारो ने मुकदमे से जुड़े नियमों का उल्लंघन किया है। इसके चलते उन्हें इलेक्ट्रॉनिक एंकल मॉनिटर पहनना पड़ा और उनके घर से निकलने वाले वाहनों की तलाशी और बाहर की निगरानी का आदेश भी दिया गया।

2018 में चाकू लगने के बाद कई बार अस्पताल में भर्ती हो चुके बोल्सोनारो : जेयर बोल्सोनारो को 2018 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले एक चुनावी कार्यक्रम में चाकू मार दिया गया था, जिसके बाद से वह कई बार अस्पताल में भर्ती हो चुके हैं। इसी साल अप्रैल में उनकी आंतों में रुकावट की सर्जरी हुई थी। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि बोल्सोनारो की खराब सेहत को देखते हुए उनके वकील जेल की बजाय घर में नजरबंदी की सजा बनाए रखने की मांग कर सकते हैं।

स्वतत्वाधिकारी, प्रकाशक, स्वामी, मुद्रक एवं संपादक-हरेश पंवार 'दासू भाई' द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट बुहाना रोड पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं से मुद्रित एवं पंवार सदन सहड़ का बास, पोस्ट पचेरी बड़ी, तहसील बुहाना जिला झुंझुनूं राजस्थान पिन-333515, से प्रकाशित। संपादक हरेश पंवार 'दासू भाई' मो. 9983040937 न्यूज़ एडिटर नवीन कुमार, मो. 7340091374